साान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 03 | अंक - 82 | जौनपुर, मंगलवार, 12 नवम्बर 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

झारखंड में भाजपा की जड़ें उखाड़ देगा 'इंडिया' गठ बंधन – लालू

बिहार, एजेंसी। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद ने रविवार को दावा किया कि झारखंड में सत्तारूढ़ 'इंडिया' गठबंधन राज्य विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जड़ें उखाड़ देगा। लालू ने कहा कि 'इंडिया' (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस) गठबंधन भाजपा की तुलना में कहीं अधिक ताकतवर राजनीतिक शक्ति बनकर उभरा है। 'इंडिया' गठबंधन में राजद भी शामिल है। झारखंड के कोडरमा जिले में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए लालू ने कहा, "हम भाजपा की जड़ें उखाड़ देंगे और वह कभी वापसी नहीं कर सकेगी। भाजपा हमारी ताकत के आगे बेबस है। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने 'इंडिया' गठबंधन बनाने में अहम भूमिका निभाई, जो देश में भाजपा के खिलाफ एक मजबूत ताकत के रूप में उभरा है। उन्होंने कहा, "मैंने कोडरमा के विकास में योगदान दिया है। इसलिए, हमारे उम्मीदवार सुभाष यादव को वोट देना न भूलें और उनकी जीत सुनिश्चित करें। कोडरमा विधानसभा क्षेत्र दस साल पहले तक राजद का मजबूत गढ़ हुआ करता था। हालांकि, 2014 में भाजपा की नीरा यादव ने राजद से यह सीट छीन ली।

संविधान बदलने की झूठी कहानी का 'अंत' हो चुका है, महायुति गठबंधन जीतेगा – फडणवीस

महाराष्ट्र, एजेंसी। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को कहा कि लोकसभा चुनाव के दौरान विपक्ष ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खिलाफ संविधान बदलने की जो झूठी कहानियां गढ़ी थीं उनका 'अंत' हो चुका है और 20 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव में इसकी कोई भूमिका नहीं होगी। फडणवीस ने दिन के समय नागपुर दक्षिण पश्चिम निर्वाचन क्षेत्र में एक चुनावी रैली को संबोधित करने के बाद संवाददाताओं से यह बात कही। उपमुख्यमंत्री ने आम चुनाव की तुलना में विधानसभा चुनाव के माहौल में अंतर के बारे में पूछे जाने पर कहा, "हमने लोकसभा चुनाव के दौरान (संविधान बदलने के लिए 400 से अधिक सीट जीताने के भाजपा के नारे) गढ़ी गयी झूठी कहानियों को पूरी तरह खत्म कर दिया है और जनता हमारे साथ खड़ी है।" भाजपा, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना और अजित पवार की अगुआई वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के महायुति गठबंधन ने महाराष्ट्र की 48 लोकसभा सीट में से सिर्फ 17 पर ही जीत हासिल की थी।

भाजपा की सरकार बना दो, हम घुसपैठ को रोक देंगे – अमित शाह

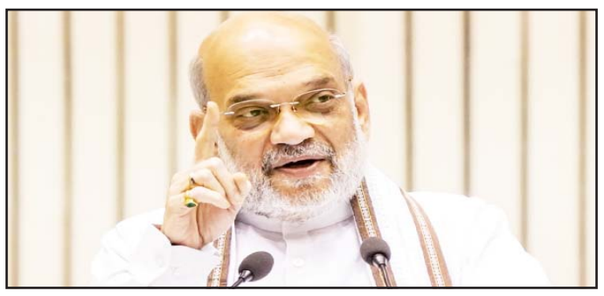

झारखंड, एजेंसी। झारखंड के सरायकेला विधानसभा क्षेत्र में जनसभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि चंपई सोरेन जी इतने वर्षों तक वफादारी के साथ गुरु जी के साथ रहे, हेमंत जी के साथ रहे, लेकिन जिस तरीके से अपमानित करके चंपई जी को निकाला गया, वह सिर्फ चंपई सोरेन जी का अपमान नहीं है, पूरे आदिवासी समाज का अपमान है। सरायकेला से भाजपा ने पूर्व सीएम चंपई सोरेन को टीकट दिया है। उन्होंने कहा कि मुद्दा सिर्फ इतना था कि चंपई सोरेन जी ने कहा, ये भ्रष्टाचार बंद होना चाहिए, वो (जेएमएम) भ्रष्टाचार बंद करने को तैयार नहीं थे। जेएमएम–कांग्रेस–आरजेडी पर निशाना साधते हुए शाह ने कहा कि इन्होंने एक हजार करोड़ रुपये का मनरेगा घोटाला किया, 300 करोड़ रुपये का जमीन घोटाला किया, सेना की जमीन भी हड़प ली, एक हजार करोड़ रुपये का खनन घोटाला किया और हजारों घ्करोड़ रुपये का शराब घोटाला किया। ये घोटाले करने वाली सरकार है। उन्होंने कहा कि एक ओर ये इंडी अलायंस खुद को अपने कार्यकर्ताओं को करोड़पति बनाने के लिए काम करती है, तो वहीं मोदी जी हमारी बहनों को लखपति दीदी बनाने के लिए काम कर रहे हैं।

झारखंड को हमें भ्रष्टाचार, माफियावाद और कुशासन से मुक्त कराना - पीएम

झारखंड, एजेंसी। मेरा बूथ सबसे मजबूत कार्यक्रम के तहत नमो ऐप के माध्यम से झारखंड के भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सीधा संवाद किया। नरेंद्र मोदी ने कहा कि चुनाव कोई भी हो, उम्मीदवार कोई भी हो, लेकिन हम इसे भलिभांति जानते हैं कि चुनाव असल में तो आप जैसे लाखों कार्यकर्ता ही लड़ते हैं। उन्होंने कहा कि हमारी तो पार्टी ही संगठन पर आधारित है, इसलिए हमारे चुनाव लड़ने का तरीका ही संगठन व कार्यकर्ता आधारित ही होता है। मोदी ने कहा कि सबसे पहले मैं आपको बहुत–बहुत बधाई देता हूं, आपकी मेहनत ने विपक्षी दल जेएमएम, कांग्रेस, आरजेडी की नींद उड़ा दी

है। झारखंड को हमें इनके भ्रष्टाचार, माफियावाद, कुशासन से मुक्त कराना है। उन्होंने कहा कि झारखंड वन व खनिज संपदा से भरपूर क्षेत्र है। कभी–कभी तो मैं कहता हूं कि झारखंड समृद्ध राज्य है, लेकिन झारखंड के लोगों को गरीब रखा गया है। समृद्धि होने के बावजूद भी यहां विकास का आभाव और बेरोजगारी चरम पर है। इसका सबसे बड़ा कारण भ्रष्टाचार व झारखंड की अमूल्य प्राकृतिक संपदा की बेतहाशा लूट है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आप जानते हैं कि सबका साथ–सबका विकास के मंत्र में झारखंड का विकास मेरी प्राथमिकता है। हम विकास की कोशिश कर रहे हैं, राज्य सरकार के असहयोग के बावजूद भी हम बहुत कुछ करने का प्रयास करते हैं। लेकिन अब मुझे खास लगता है कि जिस गति से मैं विकास चाहता हूं, जिस गति से मैं झारखंड को आगे ले जाना चाहता हूं, वहां डबल इंजन सरकार की बहुत जरूरत है। झारखंड इस बार बदलाव करने को संकल्पित हो गया है, इसका सबसे बड़ा कारण तो ये भी है कि जेएमएम, कांग्रेस व आरजेडी ने झारखंड की रोटी, बेटी और माटी पर वार किया है। पिछले पांच साल इन्होंने बड़ी–बड़ी बातें कीं, लेकिन आज झारखंड के लोग देख रहे हैं।

भारत में दूरसंचार से वंचित लोगों को जोड़ने का काम करेगा सैटेलाइट संचार – सिंधिया

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सोमवार को कहा कि वह उपग्रह संचार नेटवर्क या गैर–स्थलीय नेटवर्क के विकास को बड़ी उम्मीद के साथ देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि ये माध्यम दूरसंचार से वंचित लोगों को जोड़ने के अलावा संचार प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में नये अवसर तैयार करेंगे। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) द्वारा आयोजित दक्षिण एशियाई दूरसंचार नियामक परिषद में सिंधिया ने कहा कि गैर–स्थलीय नेटवर्क नए अनुप्रयोगों की शुरुआत करेंगे। उन्होंने कहा कि इससे संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों के प्रति सरकार के संकल्प को आगे बढ़ाने में भी मदद मिलेगी। सिंधिया ने कहा कि गैर–स्थलीय नेटवर्क के आने से दूरसंचार प्रौद्योगिकी में एक नया मोड़ आया है और इससे दूरसंचार से अछूती आबादी को जोड़ने में बहुत मदद मिलेगी। सरकार ने बिना नीलामी के उपग्रह संचार कंपनियों को स्पेक्ट्रम आवंटित करने का फैसला किया है, जिससे एलन मस्क के स्वामित्व वाली स्टारलिंक जैसी कंपनियों को खासतौर से लाभ होगा। भारती समूह समर्थित वनवेब और जियो सैटकॉम को सैटकॉम सेवाओं के लिए परमिट मिले हैं, लेकिन उनकी मूल कंपनियों ने नीलामी के बिना स्पेक्ट्रम के आवंटन का विरोध किया है। दूरसंचार परिचालकों के विरोध के बावजूद सिंधिया ने स्पष्ट किया है कि सैटेलाइट स्पेक्ट्रम का आवंटन दूरसंचार अधिनियम 2023 के अनुसार प्रशासनिक पद्धति से किया जाएगा।

दिल्ली सरकार ने एलजी से 10,000 बस मार्शलों को स्थायी करने का किया आग्रह

नई दिल्ली, एजेसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने सोमवार को कहा कि उनकी सरकार स्थायी आधार पर 10,000 बस मार्शलों को बनाए रखने की नीति बनाने के लिए उपराज्यपाल वीके सक्सेना को एक प्रस्ताव भेज रही है। आतिशी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि बस मार्शलों को हटाने से सार्वजनिक परिवहन बसों में महिलाओं के खिलाफ अपराध में वृद्धि हुई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि रविवार को हुई सभी मंत्रियों की बैठक में परिवहन आयुक्त ने संकेत दिया कि बस मार्शलों की बहाली पर निर्णय उपराज्यपाल के अधिकार क्षेत्र में आता है क्योंकि यह सेवा से जुड़ा मामला है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार ने महिलाओं की सुरक्षा के लिए काफी काम किए हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं के साथ बसों में अभद्र व्यवहार ना हो, इसके लिए 2015 में बसों में बस मार्शल लगाये गये, सीसीटीवी और पैनिक बटन लगाये गये। लेकिन 2023 में बीजेपी ने अपने अधिकारियों के जरिए इन बस मार्शलों को हटा दिया। आप विधायकों, कार्यकर्ताओं ने बस मार्शलों के लिए सड़क पर संघर्ष किया और आखिर में बीजेपी को आप और बस मार्शलों के संघर्ष के आगे झुकना ही पड़ा। दिल्ली सरकार जैसा है, जहां है के आधार पर एक प्रस्ताव के साथ आगे बढ़ रही है, जबकि वह एलजी की नीति का इंतजार कर रही है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार अपने नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है और मार्शलों के वेतन के लिए आवश्यक वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराएगी।

बीजेपी ने चुनी हुई सरकारों को गिरा दिया – अशोक गहलोत

राजस्थान, एजेंसी। अशोक गहलोत ने पीएम मोदी पर जनता से किए वादे पूरे ना करने का आरोप लगाते हुए कहा कि जनता ने पीएम बनने के लिए साथ दिया था। इन्होंने जो वादे किए थे वो सब हवा में उड़ गए हैं। क्या क्या बोला गया था। दो करोड़ रोजगार देंगे। लेकिन कुछ नहीं किया। इन्होंने राजस्थान में भी यही करने की कोशिश की, लेकिन सबके आशीर्वाद से राजस्थान बच गया। कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने कहा कि यह देश का दुर्भाग्य है कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की बटोगे तो कटोगे टिप्पणी का जिक्र करते हुए ऐसे शब्दों का इस्तेमाल किया जा रहा है। एमवीए के घोषणापत्र जारी करने के कार्यक्रम से इतर एएनआई से बात करते हुए गहलोत ने कहा कि यह देश का दुर्भाग्य है कि ऐसे शब्दों का इस्तेमाल किया जा रहा है। आजादी के बाद, मैंने किसी भी नेता को ऐसा बयान देते नहीं देखा है। बटोगे तो कटोगे का क्या मतलब है? बीजेपी, जो पहले जनसंघ पार्टी थी, समेत किसी अन्य पार्टी ने आज तक ऐसे शब्दों का इस्तेमाल नहीं किया है। मल्लिकार्जुन खड़गे ने बटेंगे तो कतेंगे नारे को लेकर बीजेपी पर निशाना साधते हुए इसे विभाजनकारी बताया। उन्होंने चुनावी राज्यों झारखंड और महाराष्ट्र में भाजपा नेताओं द्वारा लगाए जा रहे नारों को लेकर भी उन पर निशाना साधा और कहा कि पार्टी ने हमेशा जनता का ध्यान भटकाने और लोगों को गुमराह करने के लिए विभाजनकारी राजनीति और नारेबाजी का सहारा लिया है।

अमेरिका में ट्रंप की चुनावी जीत के बाद तनाव में हैं कुछ देश - जयशंकर

नई दिल्ली, एजेसी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव जीतने के बाद कई देश घबराए हुए हैं, लेकिन भारत उनमें से नहीं है। मुंबई में आदित्य बिड़ला 25वीं रजत जयंती छात्रवृत्ति कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई अमेरिकी राष्ट्रपतियों के साथ तालमेल बनाया है। एस जयशंकर ने बताया कि दूसरे देशों के विपरीत भारत ट्रंप की चुनावी जीत के बाद चिंतित क्यों नहीं है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने रविवार को कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप की जीत के बाद कई देश चिंतित हैं, लेकिन भारत इससे अप्रभावित है। मुंबई में आदित्य बिड़ला 25वीं रजत जयंती छात्रवृत्ति कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई अमेरिकी राष्ट्रपतियों का दौरा किया था, तब बराक ओबामा राष्ट्रपति थे, फिर डोनाल्ड ट्रंप और फिर जो बिडेन। जिस तरह से वे

के साथ मजबूत संबंध बनाए हैं। उन्होंने कहा, जब उन्होंने (पीएम मोदी) पहली बार वाशिंगटन डीसी इन संबंधों को बनाते हैं, उसमें कुछ स्वाभाविक है... मुझे पता है कि आज कई देश अमेरिका को लेकर चिंतित हैं, लेकिन ईमानदारी से कहें तो हम उनमें से नहीं हैं।

भारत–अमेरिका साझेदारी

जयशंकर ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी अमेरिकी राष्ट्रपति– चुनाव को बधाई देने वाले पहले तीन विश्व नेताओं में से एक थे, जब यह घोषणा की गई कि उन्होंने अपने डेमोक्रेटिक प्रतिद्वंद्वी कमला हैरिस को उच्च–दांव वाले चुनाव में हरा दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि वे भारत–अमेरिका साझेदारी को और मजबूत करने के लिए अपने सहयोग को नवीनीकृत करने के लिए उत्सुक हैं। भारतीय प्रधानमंत्री ने डोनाल्ड ट्रंप से मध्य पूर्व संघर्षों और रूस–यूक्रेन युद्ध के बीच वैश्विक शांति, स्थिरता और समृद्धि को बढ़ावा देने का भी आग्रह किया।

वायनाड पहुंचे राहुल गांधी, बहन प्रियंका के साथ किया रोड शो

वायनाड, एजेंसी। अवायनाड लोकसभा उपचुनाव के लिए कांग्रेस उम्मीदवार प्रियंका गांधी वाड्रा ने वायनाड के सुल्तान बाथरी में रोड शो किया। लोकसभा नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी भी मौजूद रहे। इस दौरान अपने संबोधन में राहुल गांधी ने कहा कि जब मैं पहली बार भारत जोड़ो यात्रा पर गया तो मुझे थोड़ा आश्चर्य हुआ क्योंकि यह एक राजनीतिक पदयात्रा थी। पदयात्रा का उद्देश्य राजनीतिक था। लेकिन यात्रा की शुरुआत में ही मैंने देखा कि मैं लोगों को गले लगा रहा था और लोग मुझे चूम रहे थे। मैं कह रहा था, मैं आपसे प्यार करता हूँ। वे कह रहे थे, हम आपसे प्यार करते हैं। आज जब मैं विमान में था तो मुझे एहसास हुआ कि कई सालों से मैंने राजनीति में श्प्रेमश शब्द का इस्तेमाल नहीं किया है। वायनाड आने के बाद अचानक मैंने राजनीति में प्यार शब्द का इस्तेमाल करना शुरू कर दिया। उन्होंने कहा कि मुझे

एहसास हुआ कि वायनाड के लोगों ने मुझे इतना प्यार और स्नेह दिया कि मेरी पूरी राजनीति बदल गई। वायनाड के लोगों ने मुझे सिखाया कि राजनीति में शब्द का बहुत महत्वपूर्ण स्थान है। इसीलिए मैं यह टी–शर्ट पहन रहा हूं। राहुल ने कहा कि वायनाड आना हमेशा सुखद होता है। मेरी बहन का भाषण स्नेहपूर्ण था, कोई सामान्य राजनीतिक अभियान नहीं। मैं यहां एक प्रचारक के रूप में हूं, उम्मीदवार के रूप में नहीं, और मैं आपका अनौपचारिक सांसद बनकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं। जब भी मैं यहां होता हूं, मुझे सचमुच खुशी महसूस होती है। वहीं, प्रियंका गांधी ने कहा कि आपने अपने घरों और दिलों में मेरा स्वागत किया है। मैं आपका हृदय से आभारी हूं। यदि आप मुझे चुनते हैं तो संसद में आपका प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए बड़े सम्मान की बात होगी।

युवाओं से धोखा करने वाली बीजेपी को हराना अब वक्त की जरूरत – सपा अध्यक्ष अखिलेश

लखनऊ, संवाददाता। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोमवार को उत्तर प्रदेश के कुंदरकी विधान सभा क्षेत्र में पार्टी प्रत्याशी मोहम्मद रिजवान के समर्थन में आयोजित जनसभा को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की सरकार की नीतियों पर तीखा हमला बोला और कार्यकर्ताओं से आगामी उपचुनाव में जीत सुनिश्चित करने के लिए पूरी ताकत से जुटने की अपील की। अखिलेश यादव ने बीजेपी पर कई गंभीर आरोप लगाए और कहा कि यह सरकार जनता से किए गए अपने वादों को पूरा करने में पूरी तरह से विफल रही है। उन्होंने बीजेपी द्वारा किए गए वादों की याद दिलाते हुए कहा कि सरकार की नीतियां न केवल जनता के लिए नुकसानदायक रही हैं, बल्कि प्रदेश की कानून–व्यवस्था भी पूरी तरह से खराब हो चुकी है। अखिलेश यादव ने बेरोजगारी के मुद्दे को प्रमुखता से उठाते हुए कहा कि यह समस्या अब विकराल रूप ले चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी सरकार इस मुद्दे पर कोई ध्यान नहीं दे रही है, और राज्य के युवाओं के लिए रोजगार सृजन की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं।

सुरक्षा हो या सुशासन, सिर्फ बीजेपी ही दे सकती - सीएम योगी

झारखंड, एजेंसी। झारखंड में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि जनता का स्नेह भाजपा की विकासपरक नीतियों पर भरोसे का जीवंत प्रमाण है। उन्होंने काह कि राज्य की सुशासनप्रिय व राष्ट्रवादी जनता हर बूथ पर श्कमलश खिलाने के लिए तैयार है। योगी ने हुंकार भरते हुए कहा कि झारखंड में माफिया पनप रहे हैं। उन्होंने लोगों से कहा कि उत्तर प्रदेश आपके ठीक बगल में है। जाकर देख लीजिए, कानून व्यवस्था से कोई खिलवाड़ नहीं कर सकता। योगी ने साफ तौर पर कहा कि अगर किसी ने ऐसा किया या किसी उत्सव में खलल डालने की कोशिश की तो यमराज के पास जाने का टिकट बुक हो जाता है। चाहे सुरक्षा हो या सुशासन, सिर्फ बीजेपी ही दे सकती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस, झामुमो और आरजेडी, ये तीन परिवार झारखण्ड को एक धर्मशाला बनाकर बांग्लादेशी और रोहिंग्या मुसलमानों को अराजकता फैलाने की पूरी छूट दे रखे हैं। योगी ने जोर देते हुए काह कि झारखण्ड को बचाने के लिए, विकसित झारखण्ड बनाने के लिए डबल इंजन की सरकार जरूरी है।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सुरक्षा हो, सम्मान हो, समृद्धि हो या सुशासन, यह केवल और केवल भाजपा ही दे सकती है। भाजपा आएगी, पत्थरबाजों का उपचार कर देगी। आदित्यनाथ ने कहा कि माफिया, पत्थरबाजों और अराजकता फैलाने वालों और त्योहारों में गड़बड़ी पैदा करने वालों के ष्इलाजष् के लिए झारखंड में डबल इंजन सरकार की जरूरत है। भवनाथपुर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने दावा किया, झारखंड को रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों के लिए धर्मशाला में बदल दिया गया है, जिन्हें अराजकता फैलाने की खुली छूट दी गई है। उन्होंने लोगों से एकजुट रहने का आग्रह करते हुए कहा कि अगर बंटे तो वे मिट जाएंगे। उन्होंने कहा, बटेंगे तो काटेंगे, एक रहेंगे तो सुरक्षित रहेंगे। आदित्यनाथ ने आरोप लगाया कि झारखंड में झामुमो के नेतृत्व वाली सरकार ने भ्रष्टाचार, अराजकता और प्राकृतिक संसाधनों की लूट को बढ़ावा दिया।

संपादकीय

मुक्ति का रास्ता

जब भी हम कोई अच्छी किताब पढ़ते हैं तो यह नए विचारों, संभावनाओं और संस्कृतियों के ज्ञान का रास्ता खोलती है। यह उद्धरण वेरा नाजेरियन का है। बचपन से ही हम सुनते आ रहे हैं कि किताबें हमारी सबसे अच्छी दोस्त होती हैं जो हमें जीवन भर एक शिक्षक की तरह सिखाती हैं। एक मां की तरह वह हर मुश्किल में हमारा साथ देती है और एक पिता की तरह वह हमें हर परिस्थिति में सही रास्ता दिखाने की जिम्मेदारी लेती है। वस्तुतः यह उन्हीं से प्राप्त ज्ञान हैजीवन हमारे व्यक्तित्व का निर्माण करता है और हमें बेहतर बनाता है। कभी–कभी कई रिश्ते हमें भटका देते हैं, लेकिन किताबों का रिश्ता ही होता है जो हमें सही रास्ता दिखाकर मुश्किल वक्त में मदद करता है। किताबें हमारे दुख, दर्द, सुख और अकेलेपन की साथी होती हैं। इतना ही नहीं, वे ज्ञान को एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक स्थानांतरित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यह एक ऐसा माध्यम है जिसके माध्यम से हम उन महान हस्तियों के बारे में आसानी से जान सकते हैं, जो...हम अपना आदर्श मानते हैं. कभी–कभी जीवन इतना नीरस हो जाता है कि हमें ऐसा लगता है जैसे हमें पता ही नहीं है कि क्या करना है। ऐसे में हम उन लोगों को जानते हैं और उनके नक्शेकदम पर चलने की प्रेरणा इन किताबों से लेते हैं। किताबें न सिर्फ हमारे व्यक्तित्व को आकार देती हैं बल्कि हमें मानसिक समस्याओं से भी बचाती हैं। पढ़ना मस्तिष्क के लिए अच्छा व्यायाम है। पढ़ाई करते समय हमारी एकाग्रता बढ़ती है, जिससे हम किसी भी परिस्थिति में अपना लक्ष्य हासिल करना सीखते हैं। यह हमारे मस्तिष्क को सक्रिय रखता है। यदि हम अपने मस्तिष्क को सक्रिय रखें तो हम अपनी याददाश्त में कुछ हद तक सुधार कर सकते हैं। यह कमजोरी या अवसाद को रोकने के उपचार के रूप में प्रभावी है। इसके अलावा अगर हम अच्छी किताबें पढ़ने के साथ–साथ खुद में लिखने की आदत भी अपना लें तो इसका परिणाम और भी बेहतर मिलता है। आजकल, डॉक्टर किसी भी बड़ी बीमारी का इलाज करते समय साक्षरता को उपचार पद्धति के रूप में भी उपयोग करते हैं, क्योंकि कई दवाओं के अक्सर दुष्प्रभाव होते हैं जो मस्तिष्क को प्रभावित करते हैं।वे सिस्टम को प्रभावित करते हैं. इससे याददाश्त खोने का डर रहता है. ऐसे में मरीज को पढ़ने–लिखने की सलाह दी जाती है, ताकि दिमाग सक्रिय रूप से काम कर सके। आज बदलते समय के साथ हमारी मित्र यानी किताबों का अंदाज और स्वरूप भी बदलने लगा है। जहां पहले किताबें पढ़ते समय उनकी भीनी–भीनी खुशबू हमारे दिमाग पर छाप छोड़ जाती थी, वहीं आज किताबें डिजिटल हो गई हैं और एक छोटे से उपकरण में हमारी जेब में फिट हो जाती हैं। हालाँकि, अगर कोई शारीरिक रूप से अक्षम है, तो वह वही हैयह उनके लिए किसी वरदान से कम नहीं है क्योंकि वे एक जगह बैठकर पढ़ और सुन सकते हैं। इसके अलावा ये पर्यावरण के अनुकूल भी हैं क्योंकि इन्हें प्रकाशित करने में लाखों रुपये का खर्च आता है। मुद्रित पुस्तकों को साझा करके हम सामाजिक और पारिवारिक रिश्तों को मजबूत कर सकते हैं। किताबें इस बात का भी सबूत हैं कि कई प्रेमी जोड़ों ने एक–दूसरे से किताबें शेयर करते हुए इन किताबों के जरिए अपने दिल की बात कही है। आज विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की मदद से कुछ लोग हीएक क्लिक से अपनी भावनाएं व्यक्त करें। यह और बात है कि आभासी दुनिया में केवल दस प्रतिशत लोग ही सच्चे दिल वाले होते हैं और उन्हें सच्चा प्यार मिल पाता है। यह भी देखें यह ज्ञात है कि इन प्लेटफार्मों पर लाभ के साथ–साथ हानि भी होती है। जब प्यार किताबों पर आधारित होता था तो प्रेमी–प्रेमिका काफी मशक्कत के बाद अपने दिल की बात अपने पार्टनर तक पहुंचा पाते थे। इस पद्धति में यह डर रहता था कि पुस्तक प्रेमी के हाथ लगेगी या नहीं और उसे पढ़ने के बाद उसकी क्या प्रतिक्रिया होगी। कभी किताब में गुलाब डालो तो कभीमोर के पंख ऐसी कई भावनाएँ हमारी किताबों से जुड़ी हैं। जीवन के आखिरी पड़ाव पर भी अगर हम अपनी किताबों को सीने से लगाकर रखें तो न जाने कितनी ही कही गई बातों की यादें ताजा हो जाएंगी। हर उम्र के साथ किताबों के मायने बदल जाते हैं। बचपन में जब बच्चा पढ़ना शुरू करता है तो उसे रंग–बिरंगी तस्वीरें ही नई दुनिया नजर आने लगती हैं। जैसे–जैसे वह युवावस्था में पहुंचता है, वह ज्ञान के भंडार की खोज करना शुरू कर देता है। फिर पाठ्यपुस्तकों से नहीं सहायक पुस्तकें उसे अच्छे अंक प्राप्त करने में मदद करती हैं। युवावस्था तक पहुंचने तक, ज्ञान का संचय व्यक्ति के व्यक्तित्व को आकार देना शुरू कर देता है। वयस्कता तक किताबें दिल और दुनिया की तस्वीर बन जाती हैं। बुढ़ापे में मुक्ति का रास्ता किताबों से होकर जाता है। दरअसल किताबें हमें हर दिन, शुरू से अंत तक कदम दर कदम चलना सिखाती हैं। सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक, साहित्यिक आदि विभिन्न क्षेत्रों का ज्ञान हमें पुस्तकों से ही मिलता है। लेकिन आज व्यवसायीकरण के कारण किताबों में अश्लीलता फैल गई है। कौनक्योंकि युवा पीढ़ी लक्ष्य से भटक रही है। अच्छी किताबों से बढ़ती दूरी हमें नैतिक पतन, भौतिकवाद और मादक आधुनिकता का शिकार बना रही है। इसलिए, यह महत्वपूर्ण है कि प्रत्येक बच्चे में नियमित रूप से और स्वतंत्र रूप से पढ़ने और सीखने की आदत विकसित हो। पढ़ाई करते हुए अपने जीवन के लक्ष्य की ओर बढ़ें।

सुप्रीम कोर्ट द्वारा यूपी मदरसा अधिनियम की संवैधानिक वैधता बरकरार

आदित्य

धार्मिक आधार पर ध्रुवीकरण देखने–सुनने वाली राजनीति में अल्पसंख्यक धर्मों से जुड़े संस्थानों, खास तौर पर मदरसों द्वारा दी जाने वाली शिक्षा के विषय ने सरकारों और अदालतों दोनों का ध्यान आकर्षित किया है। उदाहरण के लिए, असम में, गुवाहाटी उच्च न्यायालय ने राज्य विधानसभा द्वारा पारित कानून की वैधता को बरकरार रखा था, जिसमें सभी सरकारी मदरसों को नियमित स्कूलों में बदलने का निर्देश दिया गया था। फिर, इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड अधिनियम को रद्द कर दिया था, जिसे पहले समाजवादी पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार ने पारित किया था, इस आधार पर कि यह कानून धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत का उल्लंघन करता है और संविधान के अनुच्छेद 14 और 21ए के खिलाफ है। अपने फैसले में, इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने घोषणा की थी कि धार्मिक शिक्षा के लिए बोर्ड बनाने या केवल किसी विशेष धर्म के लिए स्कूली शिक्षा के लिए बोर्ड स्थापित करने का राज्य को कोई अधिकार नहीं है। अब, एक ऐतिहासिक फैसले में, सुप्रीम कोर्ट ने यूपी मदरसा अधिनियम की संवैधानिक वैधता को रेखांकित किया है, यह तर्क देते हुए कि यह कानून "राज्य के सकारात्मक दायित्व के

अनुरूप है कि यह सुनिश्चित किया जाए कि मान्यता प्राप्त मदरसों में पढ़ने वाले छात्र न्यूनतम स्तर की योग्यता प्राप्त करें।" सर्वोच्च न्यायालय ने सही कहा है कि इससे छात्रों को समाज में प्रभावी भागीदारी करने और आजीविका कमाने में मदद मिलेगी। हालांकि, इसने माना है कि कामिल और फाजिल जैसी उच्च डिग्री प्रदान करने की अधिनियम की शक्ति अनुचित है क्योंकि यह विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के साथ टकराव में है। सर्वोच्च न्यायालय ने अपने सम्मानित विवेक में शिक्षा के वैचारिक ढांचे को व्यापक बनाया है, जिसमें धार्मिक संस्थानों द्वारा दी जाने वाली शिक्षाएँ शामिल हैं, चाहे वे अल्पसंख्यक समुदाय से हों या बहुसंख्यक समुदाय से। निर्देश के मूल में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा भारतीय धर्मनिरपेक्षता के चरित्र का प्रबुद्ध पाठ है। पश्चिम में धर्मनिरपेक्ष ढांचे की कठोर रूपरेखाओं के विपरीत – फ्रांस का धर्मनिरपेक्षता इसका एक उदाहरण है – भारत की संवैधानिक धर्मनिरपेक्षता की भावना में एक हद तक व्यापकता है जो इसे अक्सर धर्मनिरपेक्ष और धार्मिक को एक साथ जोड़ने में सक्षम बनाती है। सुप्रीम कोर्ट का हस्तक्षेप भी मानवीय है। हस्तक्षेप के बिना यूपी के 13,364 मदरसों में 12 लाख से अधिक छात्रों का भविष्य खतरे में पड़ जाता। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा है कि सरकार का मुख्य दायित्व इन संस्थानों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना है। उम्मीद की जानी चाहिए कि राज्य और केंद्र की सरकारें इस सिद्धांत का पालन करेंगी और अल्पसंख्यक धार्मिक संस्थानों के मामले में दुस्साहस से बचेंगी।

जीवाश्म ईंधन से स्वच्छ ऊर्जा की ओर एक स्थिर बदलाव

विनोद

जीवाश्म ईंधन की गिरफ्त में जकड़ी दुनिया में, भारत ने एक अलग राह की ओर कदम बढ़ाए हैं। 2070 के लिए एक साहसिक नेट–जीरो लक्ष्य निर्धारित करने के साथ, राष्ट्र ऊर्जा के प्रति अपने दृष्टिकोण की फिर से कल्पना कर रहा है। जैसा कि एशियाई विकास बैंक ने अपनी हालिया एशिया–प्रशांत जलवायु रिपोर्ट में उल्लेख किया है, भारत जीवाश्म ईंधन सब्सिडी पर अपनी असंवहनीय निर्भरता से अपना ध्यान स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने की ओर स्थानांतरित कर रहा है। ष्हटाएँ, लक्षित करें और स्थानांतरित करेंष रणनीति द्वारा निर्देशित, भारत ने अपने जीवाश्म ईंधन समर्थन को लगातार कम किया, जिससे सौर ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहनों और एक मजबूत ऊर्जा ग्रिड में नए निवेश के द्वार खुल गए। ईंधन सब्सिडी में सुधार करने का भारत का संकल्प परिवर्तनकारी साबित हुआ है, जिसने 2014 और 2018 के बीच सब्सिडी में भारी कटौती की है। यह बदलाव कोई छोटी उपलब्धि नहीं थी। यह 2010 से 2014 तक पेट्रोल और डीजल सब्सिडी को धीरे–धीरे समाप्त करने और उसके बाद 2017 तक इन ईंधनों पर करों में वृद्धि करने सहित सावधानीपूर्वक उठाए गए कदमों के माध्यम से हासिल किया गया। ये कदम, हालांकि साहसिक थे, लेकिन अक्षय परियोजनाओं के लिए राजकोषीय राहत प्रदान करने के लिए उठाए गए थे, जिससे सरकार को अभूतपूर्व पैमाने पर स्वच्छ ऊर्जा पहलों में धन लगाने की अनुमति मिली। सौर पार्कों, वितरित ऊर्जा समाधानों और राज्य के स्वामित्व वाले उद्यमों के लिए सब्सिडी में अब लगातार वृद्धि के साथ, भारत का आगे का रास्ता स्वच्छ ऊर्जा के प्रति इसके उद्देश्य और प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जो अधिक लचीले ऊर्जा भविष्य की ओर बढ़ने की चाह रखने वाले अन्य लोगों के लिए एक मजबूत उदाहरण स्थापित करता है। जलवायु रिपोर्ट एशिया–प्रशांत जलवायु रिपोर्ट अनुकूलन उपायों की तत्काल आवश्यकता पर प्रकाश डालती है और क्षेत्र की सबसे कमजोर आबादी का समर्थन करने के लिए संसाधनों को जुटाने के महत्व पर जोर देती है, यह सुनिश्चित करती है कि वे जलवायु परिवर्तन द्वारा लाई गई चुनौतियों का सामना करने के लिए बेहतर तरीके से तैयार हों। यह रिपोर्ट हाथ में मौजूद दबाव वाले मुद्दों को समझने और क्षेत्र में प्रभावी जलवायु कार्रवाई का मार्गदर्शन करने के लिए एक महत्वपूर्ण संसाधन के रूप में कार्य करती है। रिपोर्ट में तेल और गैस क्षेत्र में राजकोषीय सब्सिडी को 85: तक कम करने में भारत के ष्हटाएँ, लक्ष्य बनाएँ और बदलेंष दृष्टिकोण की प्रभावशीलता को रेखांकित किया गया है। निष्कर्षों से यह भी पता चलता है कि कोयला उत्पादन पर उपकर सहित रणनीतिक कर उपायों ने अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं और बुनियादी ढाँचे में सुधार को कैसे वित्तपोषित किया है। कुल मिलाकर, ये अंतदृष्टि जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का समाधान करते हुए अधिक टिकाऊ ऊर्जा भविष्य की ओर संक्रमण के लिए भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। भारत का जीवाश्म ईंधन सब्सिडी सुधार 2010 से, भारत ने हटाएँ, लक्ष्य बनाएँ और बदलेंष दृष्टिकोण को अपनाते हुए अपनी जीवाश्म ईंधन सब्सिडी में लगातार सुधार किया है। इस संरचित दृष्टिकोण में खुदरा कीमतों, कर दरों और चुनिंदा पेट्रोलियम उत्पादों पर सब्सिडी को सावधानीपूर्वक समायोजित करना शामिल था, जिसने सामूहिक रूप से तेल और गैस क्षेत्र में राजकोषीय सब्सिडी को 85: तक कम कर दिया, जो 2013 में +25 बिलियन के शिखर से 2023 तक +3.5 बिलियन हो गया। इस यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम पेट्रोल और डीजल सब्सिडी को धीरे–धीरे समाप्त करना था, साथ ही करों में वृद्धि भी की गई। इन सुधारों ने अक्षय ऊर्जा पहलों, इलेक्ट्रिक वाहनों और महत्वपूर्ण बिजली अवसंरचना में अधिक सरकारी सहायता के लिए राजकोषीय स्थान बनाया। 2014 से 2017 तक, पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क बढ़ाकर कर राजस्व को और बढ़ाया गया, जिसे वैश्विक तेल की कम कीमतों की अवधि के दौरान रणनीतिक रूप से लागू किया गया। अतिरिक्त राजस्व को लक्षित सब्सिडी की ओर पुनर्निर्देशित किया गया, जिसने ग्रामीण समुदायों के लिए तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) तक पहुँच का विस्तार किया, जिससे पर्यावरणीय लक्ष्यों और सामाजिक कल्याण दोनों को संबोधित किया गया। भारत के जीवाश्म ईंधन सब्सिडी सुधार एक निर्णायक बदलाव को चिह्नित करते हैं, जो संसाधनों को संधारणीय ऊर्जा की ओर मोड़ते हैं और स्वच्छ ऊर्जा विकल्पों की नींव रखते हैं। कराधान की भूमिका 2010 से 2017 तक, भारत सरकार ने कोयला उत्पादन और आयात पर उपकर लागू किया, जो स्वच्छ ऊर्जा पहलों के वित्तपोषण में महत्वपूर्ण था। इस उपकर से प्राप्त लगभग 30: राशि राष्ट्रीय स्वच्छ ऊर्जा और पर्यावरण कोष को आवंटित की गई, जो विभिन्न स्वच्छ ऊर्जा परियोजनाओं और अनुसंधान का समर्थन करती है। इस कर ने नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के बजट को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाया, जिससे हरित ऊर्जा गलियारा योजना और राष्ट्रीय सौर मिशन जैसी पहलों के लिए आवश्यक निधि उपलब्ध हुई। ये कार्यक्रम उपयोगिता–स्तरीय सौर ऊर्जा की लागत को कम करने और कई ऑफ–ग्रिड नवीकरणीय ऊर्जा समाधानों को निधि देने में सहायक रहे। प्रमुख योजनाएँ भारत राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन, पीएम–कुसुम योजना और पीएम सूर्य घररू मुफ्त बिजली योजना जैसी पहलों के साथ एक स्थायी ऊर्जा भविष्य की ओर बढ़ रहा है।

इन कार्यक्रमों का उद्देश्य नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा देना, ऊर्जा पहुँच को बढ़ाना और जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता को कम करते हुए किसानों को सशक्त बनाना है। साथ में, वे एक स्वच्छ ऊर्जा परिदृश्य के लिए भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन, पीएम–कुसुम और विभिन्न उत्पादन–लिंक्ड प्रोत्साहन योजनाओं जैसी प्रमुख पहलों के माध्यम से, भारत न केवल 2070 तक अपने महत्वाकांक्षी शुद्ध–शून्य लक्ष्य को पूरा करने का प्रयास कर रहा है, बल्कि एक लचीला और समावेशी ऊर्जा परिदृश्य को भी बढ़ावा दे रहा है।

हवा स्वच्छ रखने में नागरिकों की की भूमिका

ललित

सर्दी शुरू होते ही उत्तर भारत में एक बड़े हिस्से में स्वच्छ हवा लोगों की पहुंच से दूर होने लगती है। इस वैरान वायु प्रदूषण की समस्या गंभीर रूप धारण कर लेती है। इस वायु प्रदूषण से निपटने के लिए सरकारी एजेंसियों, उद्योगों और नागरिकों की तरफ से सामूहिक प्रयास करने की आवश्यकता है। वर्ष 2017 से भारत सरकार ने दिल्ली– एनसीआर के लिए ग्रेडेड एक्शन रिस्पांस प्लान (ग्रेप) राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम और 15वें वित्त आयोग के शमिलियन प्लस चौलेंज फंड के तहत धन आवंटन जैसे कदमों के माध्यम से वायु गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दर्शाई है। हालांकि वायु गुणवत्ता में कुछ सुधार होने के बावजूद अभी भी कई शहर राष्ट्रीय परिवेशीय वायु गुणवत्ता मानकों की पार कर जा रहे हैं। सर्दियों के वैरान बारिश कम होने, हवा की गति धीमी होने और मिक्सिंग हाइट (यानी सतह से ऊपर की वह ऊंचाई जहाँ तक प्रदूषण तत्वों का फैलाव हो सकता है) घटने से प्रदूषण तत्वों के फंसने जैसी उत्तर भारत की मौसमी परिस्थितियों के कारण वायु प्रदूषण का बिखराव मुश्किल हो जाता है। इससे हवा में पार्टिकुलेट यानी अतिसूक्ष्म कणों का घनत्व बढ़ जाता है, जिससे एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) अधिक हो जाता है। इसलिए एकमात्र समाधन है कि सर्दियों के दौरान विभिन्न उत्सर्जनों में व्यापक कटौती की जाए। सामूहिक व्यवहार में बदलाव वायु गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए नागरिकों को अपने सामूहिक व्यवहार में ढांचागत बदलाव लाने चाहिए। इन बदलावों में यह शामिल है कि हम कैसे यात्रा करते है। इससे वाहनों से होने वाला उत्सर्जन प्रभावित होता है कैसे हम कचरे का प्रबंधन करते हैं याने कचरा जलाते हैं या उसका विज्ञानिक विधि से निस्तारण करते हैं और कैसे खाना पकाते हैं या स्वयं को गर्म रखते हैं जिसके लिए हम अक्सर जैव ईंधन जलाते हैं, जिससे उत्सर्जन बढ़ता है। दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में कमीशन फार एयर क्वालिटी मैनेजमेंट (सीएक्यूएम) ने नागरिकों के लिए वायु प्रदूषण के दौरान उठाए जाने वाले कदमों की एक सूचं दी है। ये कदम वायु प्रदूषण की गंभीरता के आधार पर अलग–अलग होते हैं। उदाहरण के लिए, ग्रेप स्टेज 1 लागू होने के दौरान जब एक्यूआई खराब श्रेणी और 201–300 के बीच रहता है, नागरिकों से वाहनों की प्रदूषण जांच कराते हुए उन्हें अच्छी स्थिति में रखने जैसे उपाय करने का अनुरोध किया जाता है जब वायु गुणवत्ता ज्यादा बिगड़ जाती है और ग्रेप स्टेज 3 लागू होता है, तब सरकार नागरिकों को घर से काम करने का विकल्प चुनने की सलाह देती है। इन उपायों की सफलता में नागरिकों की और से इनका अनुपालन महत्वपूर्ण है। प्रदूषण के स्थानीय स्रोतों की जानकारी लोगें की प्रदूषण के स्थानीय स्रोतों की जानकारी देते हुए वायु गुणवत्ता प्रशासन में सक्रिय सहयोग करने की नागरिक जिम्मेदारी निभानी चाहिए। नागरिक अपने साधारण मोबाइल फोन से नागरिक शिकायत निवारण एप के माध्यम से टूटी सड़कों, कूड़ा–कचरा जलाने और प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों जैसे प्रदूषण के स्थानीय स्रोतों की जानकारी दे सकते हैं। देश के लगभग 130 शहरों में सिटी एक्शन प्लान के तहत इस उद्देश्य से आनलाइन प्लेटफार्म उपलब्ध कराए गए हैं, जिसके माध्यम से नागरिक वायु प्रदूषण से जुड़ी शिकायतें दर्ज करा सकते हैं। उदाहरण के लिए, दिल्ली में में समीर, ग्रीन दिल्ली और एमसीडी 311 जैसे कई मोबाइल एप्लीकेशंस हैं, जी इन शिकायतों को देखते हैं। पिछले साल काउंसिल आन एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड वाटर (सीईईडब्ल्यू) ने पर्यावरण विभाग (जीएनसीटीडी) के साथ मिलकर प्रदूषण के स्थानीय स्रोतों की सूची बनाने और प्राथमिकता निर्धारण की एक पद्धति तैयार की थी। यह उपाय अन्य राज्यों में भी इस्तेमाल किया गया है। इस पद्धति का आधार शहर के सजग नागरिकों की और से सार्वजनिक शिकायत निवारण एप पर दर्ज कराई जाने वाली शिकायतें हैं। इस तरह के एप के बारे में जागरूकता और इनका उपयोग बढ़ाना जरूरी है, क्योंकि अभी इनका उपयोग बहुत ही सीमित है।

जनभागीदारी भारत में वायु गुणवत्ता सुधरों के माध्यम से जोर देने के लिए धन उपलब्धता और राजनीतिक गतिशीलता दोनों ही मामलों में सीमित संसाधनों के लिए प्रतिस्पर्धी मांग हमेश मौजूद रहेगी। हालांकि जागरूक और मुखर नागरिक अपने परिवार, समुदायें और इंटरनेट मीडिया पर इसके बारे में जागरूकता बढ़ाते हुए इसके महत्व में बढ़ोतरी कर सकते हैं। यदि आस–पड़ोस में प्रदूषण स्त्रोतों से जुड़ी शिकायतों की संख्या काफी बढ़ जाती है, तो यह सजग नागरिकों की एक महत्वपूर्ण चिंता का संकेत होगा, जो संभावित रूप से राजनीतिक प्राथमिकताओं को प्रभावित कर सकता है। स्वच्छ भारत मिशन इसका एक प्रमुख उदाहरण है कि कैसे किसी पहल को जन आंदोलन में बदलकर सफल बनाया जा सकता है। जवाबदेही स्वच्छ हवा जितना एक मौलिक अधिकार है, उतना ही एक साझी जिम्मेदारी है। नागरिकों को वायु प्रदूषण के बारे में गंभीरता से विचार करन चाहिए और इसे दूर करने के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए।

भारत की तेजी से बिगड़ती वायु गुणवत्ता की समस्या को दूर करने के लिए नागरिकों की न केवल अधिकारियों की जवाबदेही तय करनी चाहिए, बल्कि इसे बेहतर बनाने वाले सामुदायिक प्रयासों में सक्रिय भागीदारी दिखानी चाहिए। तभी हम प्रदूषण मुक्त सर्दियों का आनंद दोबारा हासिल सकते हैं, जो अभी प्रदूषण के साथ आती है।

भू–राजनीतिक और सुरक्षा विश्लेषण में आर्थिक विचार फिर से मुखर हो रहे

संजय

बाह्य आर्थिक नीति के मोर्चे पर कुछ दिलचस्प हो रहा है। संक्षेप में कहें तो भू–राजनीतिक और सुरक्षा विश्लेषण में आर्थिक विचार फिर से मुखर हो रहे हैं। नई दिल्ली के रायसीना हिल पर भू–अर्थशास्त्र फिर से चलन में है। केंद्रीय वित्त मंत्रालय के आर्थिक सर्वेक्षण 2023–24 में दिए गए सुझाव के बाद कि भारत को चीन से प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का स्वागत करना चाहिए, केंद्र सरकार के आर्थिक नीति थिंक टैंक नीति आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने सार्वजनिक रूप से भारत को क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक भागीदारी व्यापार ब्लॉक में शामिल होने की वकालत की है। पिछले सप्ताह नई दिल्ली में एक व्यापार चौंबर को संबोधित करते हुए नीति आयोग के सीईओ श्री बी.वी.आर. सुब्रमण्यम ने कहा कि भारत को त्ब्म्च में शामिल होना चाहिए, उन्होंने कहा कि यह भारत के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के लिए सबसे अच्छा होगा। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि भारत ट्रांस–पैसिफिक पार्टनरशिप के लिए व्यापक और प्रगतिशील समझौते की सदस्यता के लिए हस्ताक्षर करे। चीन RCEP का सदस्य है, लेकिन वर्तमान में वह सीसीटीवी की सदस्यता के लिए आवेदक है। जापान चाहता है कि भारत दोनों में शामिल हो। श्री सुब्रमण्यम ने अपने सहयोगी वी. अनंत– नागेश्वरन, मुख्य आर्थिक सलाहकार और आर्थिक सर्वेक्षण के मुख्य लेखक के विचारों को दोहराते हुए कहा, "मुझे नहीं लगता कि हमने 'चीन –प्लस–वन' अवसर का उतना लाभ उठाया है, जितना हम उठा सकते थे।" सर्वेक्षण में चीन से निवेश को कम करने की वकालत की गई थी, ताकि भारत के द्विपक्षीय व्यापार में चीन के साथ बढ़ते और बड़े व्यापार घाटे को कम किया जा सके। सर्वेक्षण की वकालत पर प्रतिक्रिया देते हुए, कई सेवानिवृत्त राजनयिकों और नई दिल्ली की विदेश नीति थिंक टैंक में हमेशा की तरह संदिग्ध लोगों ने अहंकारी आर्थिक नीति निर्माताओं की खिंचाई करने की मांग की। उन्होंने विरोध करते हुए कहा कि अर्थशास्त्रियों की हिम्मत कैसे हुई कि वे राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में कदम रखें। शुरुआती हंगामे के तुरंत बाद पूरी तरह से चुप्पी छा गई। जो लोग प्रासंगिक नीति संकेतों के लिए सरकार की ओर देखते हैं, वे समझ गए हैं कि सरकार के उच्चतम स्तरों के भीतर कुछ नई सोच थी। नीति आयोग के सीईओ की टिप्पणी से पता चलता है कि इस विषय पर वास्तव में कुछ नई सोच है। किसी भी दर पर, आर्थिक गणना एक बार फिर भू–राजनीतिक विचारों में प्रवेश कर गई है। यह भी जोड़ना होगा कि न तो वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय और न ही नीति आयोग ने अभी तक विशेषज्ञों के लिए कोई नीति श्वेत पत्र जारी किया है जिसे वे पढ़ सकें और टिप्पणी कर सकें। यह अच्छी तरह से हो सकता है कि श्री अनंत–नागेश्वरन और श्री सुब्रमण्यम दोनों ही यह देखने के लिए नीति पतंग उड़ा रहे हैं कि क्या उनके विचार सफल होंगे। अब तक, स्वदेशी जागरण मंच चुप रहा है और थिंक टैंक के विश्लेषक जो लगातार सरकार पर संदेह कर रहे हैं और इसकी मंजूरी हासिल करने के लिए लिख रहे हैं, वे चुप रहे हैं। 2012 में जब व्यापार नीति वार्ता शुरू हुई थी, तब भारत त्ब्म्च का संस्थापक सदस्य था। पूरे सात वर्षों तक, भारतीय व्यापार वार्ताकारों ने सक्रिय रूप से उन चर्चाओं में भाग लिया, जिसके परिणामस्वरूप 2020 में त्ब्म्च की शुरुआत हुई। हालाँकि, नवंबर 2019 में, आखिरी समय में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बैंकॉक में एक शिखर बैठक में त्ब्म्च की भारत की सदस्यता की पुष्टि करने वाले उनके लिए तैयार किए गए भाषण को रद्द कर दिया। सभी को आश्चर्यचकित करते हुए, प्रधानमंत्री ने घोषणा की कि भारत त्ब्म्च में शामिल नहीं होगा। सरकार के स्पिन डॉक्टर तुरंत हरकत में आ गए और एक वफादार मीडिया ने यह थीसिस फैलाना शुरू कर दिया कि त्ब्म्च की सदस्यता चीनी आयात के लिए दरवाजे खोलने के बराबर होगी और अर्थव्यवस्था के लिए विनाशकारी परिणाम होंगे। जब मैंने अपने कॉलम में इस निर्णय पर अपनी असहमति व्यक्त की, तो नरेंद्र मोदी सरकार के एक वरिष्ठ सदस्य ने मुझसे पूछारू ष्क्या आप भारत का विऔद्योगीकरण चाहते हैं?ष बाहरी व्यापार को विऔद्योगीकरण के साधन के रूप में देखना एक ऐसा विचार है जिसकी जड़ें उपनिवेशवाद के इतिहास में हैं।

भारत में स्वतंत्रता के बाद आयात प्रतिस्थापन और उच्च शुल्क की नीति ऐसी ही समझ पर आधारित थी। समय के साथ भारत ने व्यापार के लाभों की खोज की और यूरेशिया में व्यापार के अपने पूर्व–औपनिवेशिक इतिहास को फिर से खोजा। विलियम डेलरिम्पल की नई किताब, द गोल्डन रोडः हाउ एंशिएंट इंडिया ट्रांसफॉर्म्ड द वर्ल्ड, बाहरी आर्थिक जुड़ाव के इस लंबे इतिहास की गवाही देती है। विश्व वस्तु निर्यात में भारत की हिस्सेदारी 1950 में दो प्रतिशत से घटकर 1990 में 0.5 प्रतिशत हो गई, लेकिन 1991 में शुरू किए गए व्यापार और औद्योगिक नीति सुधारों की बदौलत 1991–2011 की अवधि में इसमें अच्छी वृद्धि हुई। भारत ने सेवा निर्यात में प्रभावशाली प्रदर्शन किया, जिसमें विश्व वस्तु और सेवा निर्यात में भारत की हिस्सेदारी 2010 तक 6.0 प्रतिशत को पार कर गई विदेशी व्यापार के क्षेत्र में नरेंद्र मोदी सरकार का रिकॉर्ड – नीति और प्रदर्शन दोनों – निराशाजनक रहा है, खासकर 2019 के बाद से। जबकि चीनी आयात के खतरे को आरसीईपी से बाहर रहने का एक कारण बताया गया था,

तथ्य यह है कि 2019 के बाद से ये आयात केवल बढ़े हैं और भारत के साथ व्यापार घाटा लगातार बढ़ता रहा है। भारत–चीन व्यापार की गतिशीलता ने 2019 में RCEP से बाहर निकलने के निर्णय को सबसे खराब निर्णय और सबसे खराब रूप से राजनीति से प्रेरित साबित कर दिया। कुछ विश्लेषकों ने कहा है कि असली मुद्दा गुजरात के डेयरी उद्योग द्वारा त्ब्म्च के खिलाफ की गई पैरवी थी, जिससे ऑस्ट्रेलियाई और न्यूजीलैंड के डेयरी उत्पादों की बाढ़ आने का डर था। त्ब्म्च के अर्थशास्त्र से अधिक, एशिया में भारत के आर्थिक एकीकरण की भू–राजनीति भी है।

श्री मोदी के 2019 के निर्णय को जापान के प्रधान मंत्री शिंजो आबे और सिंगापुर के थर्मन शनमुगरत्नम जैसे उनके अपने मित्रों ने दुखद अस्वीकृति के साथ देखा। इसलिए, यह दिलचस्प है कि नीति के सीईओ की टिप्पणी उस समय की गई जब विदेश मंत्री सुब्रह्मण्यम जयशंकर दक्षिण पूर्व एशिया में वापस आए और इस क्षेत्र के साथ घनिष्ठ संबंधों के लिए भारत की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

बरगवां शम्भर खेड़ा के मेला ग्राउंड पर भजन सत्संग व भंडारा हुआ संपन्न

मृत्युंजय प्रताप सिंह

लखनऊ। संत कबीर सत्संग भजन मंडल की ओर से बरिगवां और संभर खेड़ा अपोलो अस्पताल के बगल में स्थित पुश्तैनी बैकुंठ धाम में महंत छोटेलाल साहब और संत रामेश्वर दास साहब व दोनों गांव के बुजुर्गों की याद में वार्षिक भजन सत्संग और भंडारे का आयोजन/वृक्षारोपण कार्यक्रम प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी किया गया। जिसमें प्रेरणा स्रोत साधु निर्मल दास मतवाला साहब, साधु हंस दास साहब बहराना रायबरेली ,साधु विज्ञान साहब जिला कौशांबी, ईश्वर दिन साहब भागू खेड़ा लखनऊ एवं विभिन्न साधु जनों द्वारा भजन सत्संग प्रस्तुत किया गया एवं सतगुरु कबीर साहब के अमृतमई वचनों को जन–जन तक पहुंचाने का कार्य किया। दूर–दूर से चलकर आए सभी संतो भक्तों सज्जनों का हृदय से बहुत – बहुत आभार साधु वादघ्द आयोजनक कर्ता – पुत्तन दास, ज्ञान दास, मैकू दास, जयप्रकाश दास ,राजू दास, संदीप दास, बबलू दास, संतलाल दास, बिमला दास, राकेश दास, मान बाबू दास, गौतम दास , एस आर अरुण जी, राजकुमार दास, संतोष दास, ऋषि दास,राहुल दास, रजत दास, नितिन दास अभिषेक दास ,आकाश दास, गोलू दास, सुजीत दास ,पिंटू कुमार ,रोहित राजा, कृष्णा दास,सत्यम दास आदि समस्त भक्तगण/ग्रामवासी।

तीन नवीनीकृत शाखाओं अयोध्या रोड, जेहटा तथा अलीगंज सीपीपीबी का उद्घाटन समारोह संपन्न

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने अपना 106 वाँ स्थापना दिवस मनाया। इसी उपलक्ष्य में लखनऊ क्षेत्र के अंतर्गत तीन नवीनीकृत शाखाओं फैजाबाद रोड, जेहटा तथा अलीगंज सीपीपीबी का उद्घाटन अंचल प्रमुख श्री राजेश कुमार तथा क्षेत्र प्रमुख श्री मार्कण्डेय यादव द्वारा किया गया। इस अवसर पर श्री राजेश कुमार ने बैंक के स्टाफ सदस्यों तथा सम्मानित ग्राहकों को संबोधित किया तथा यूनियन बैंक के साथ सदैव बने रहने और भविष्य में भी सेवा करने का अवसर देते रहने हेतु अभिवादन और धन्यवाद किया। उन्होंने मौके पर उपस्थित ग्राहकजनों को यूनियन बैंक के स्थापना से लेकर अभी तक के स्वर्णिम कीर्तियों से संक्षेप में अवगत कराया। क्षेत्रीय प्रमुख महोदय ने धन्यवाद करते हुए सभी को आश्वस्त किया कि यूनियन बैंक सदैव ही ग्राहक सेवा की प्रतिबद्धता को पूर्ण निष्ठा से निर्वहन करता रहेगा।

महिला के मजबूत होने से पूरे परिवार को मजबूती मिलती है - रजनी तिवारी

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना) रसखान प्रेक्षागृह में उत्तर प्रदेश ग्रामीण आजीविका मिशन की ओर से सीसीएल मेगा कैम्प एवं महिला सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि माननीय राज्यमंत्री उच्च शिक्षा रजनी तिवारी व विशिष्ट अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमावती पीके वर्मा ने सभागार के बाहर परिसर में स्वयं सहायता समूहों द्वारा लगायी गयी प्रदर्शनी का अवलोकन किया। सभागार में मुख्य कार्यक्रम के पूर्व जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने मुख्य अतिथि माननीय राज्यमंत्री उच्च शिक्षा तथा विशिष्ट अतिथि माननीय जिला पंचायत अध्यक्ष का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। समारोह का औपचारिक उदघाटन मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि, जिलाधिकारी व मुख्य विकास अधिकारी द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इसके उपरांत छात्राओं ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। समारोह को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने कहा कि महिला के मजबूत होने से पूरे परिवार को मजबूती मिलती है और सरकार द्वारा महिलाओं को स्वस्थ व सशक्त बनाने के लिए विभिन्न योजनाएं चलायी गयी हैं। सरकार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का कार्य कर रही है। महिलाओं के प्रति सोंच बदली है। नीतियों व योजनाओं को पारदर्शी तरीके से लागू किया जा रहा है। आज महिला आसमान छूना चाहती है, सिर्फ एक मंच की जरुरत है। सरकार लगातार इस दिशा में कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि बेटे और बेटी में कोई भेद न करें। बेटियों को भी शिक्षा दिलाएं। बेटी और बहू में भेद न करें। ऐसा करने से हमारा घर भी मंदिर बन जायेगा। माननीय जिला पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि आज महिलाएं कही भी पीछे नहीं हैं। महिलाओं की आय के बढ़ने के साथ साथ समाज में उनकी आय बढ़ी हैं। महिलाओं को सशक्त बनाने में स्वयं सहायता समूह काफी उपयोगी साबित हुए हैं। जिलाधिकारी ने अपने सम्बोधन में कहा कि ग्रामीण आजीविका मिशन से जनपद की मातृ शक्ति की आय बढ़ी है। जनपद में 19 हजार से अधिक स्वयं सहायता समूह हैं। प्रत्येक समूह में 10 से 20 महिलाएं हैं। इनसे उनकी आय बढ़ने के साथ ही सामाजिक सशक्तिकरण भी हुआ है। पैकेजिंग व मार्केटिंग के लिए जनपद स्तर पर एक प्लेटफार्म बनाने के लिए कार्य किया जा रहा है। इससे उत्पादों का प्रचार प्रसार होगा और उनके उत्पादों की बिक्री भी बढ़ेगी। मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि द्वारा 504 समूहों को 30 करोड़ 24 लाख रूपये के ऋण का सांकेतिक चेक लाभार्थी समूहों को सौंपा। उत्कृष्ट कार्य करने वाले स्वयं सहायता समूहों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। समारोह में स्वयं सहायता समूहों के कार्यों को लेकर एक वीडियो फिल्म दिखायी गयी। समूह की महिलाओं द्वारा एक एनआरएलएम गीत भी प्रस्तुत किया गया। स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने कार्यक्रम में अपने अनुभव साझा किये। उन्होंने नृत्य व गायन के माध्यम से भी अपनी भावनाओं को व्यक्त किया। कार्यक्रम के अन्त में मुख्य विकास अधिकारी सौम्या गुरूरानी ने मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि का आभार जताया। इस अवसर पर उपायुक्त एनआरएलएम रवि प्रकाश, पीडी पीपी त्रिपाठी, डीएसटीओ राम प्रकाश व अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

धूमधाम से मनाया जा रहा एकादशी का पर्व

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। हिन्दुओं का प्रमुख एकादशी का पर्व जनपद में धूमधाम से मनाया जा रहा है शाम को एकादशी की पूजा व तुलसा माता के विवाह की तैयारी तेज हो गई है। घरों से लेकर बाजारों तक में खासा रौनक देखी जा रही है। सिंघाड़ा, गन्ना और आंवले की दुकाने नगर क्षेत्र से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में जगह–जगह लगाई गई है। जहां जमकर भीड़ देखने को मिल रही है। कार्तिक शुक्ल एकादशी को विष्णु प्रबोधिनी व देवोत्थानी एकादशी के रूप में मनाया जाता है। मान्यता है विष्णु प्रबोधिनी एकादशी व्रत रखने से साल भर की एकादशी व्रत का लाभ मिलता है। महिलाएं उपवास रख भगवान विष्णु व मां लक्ष्मी की पूजा–अर्चना की। माताएं अपने पुत्र की दीर्घायु व तरक्की की कामना करती हैं। विष्णु प्रबोधिनी एकादशी को लेकर बाजार गुलजार है। आज के दिन महिलाएं माता तुलसी के विवाह भी प्रचलन है। कार्तिक मास में एक माह से तुलसी माता पूजन के बाद विधि विधान से आज उनकी शादी भगवान कृष्ण से कराई जाती है। सब्जी मंडी इलाके में सड़क की दोनों पटरियों पर शकरकंद, गन्ने व सिंघाड़े की लगी दुकानों पर दिन भर खरीदारों की भीड़ रही। फलों की दुकानों पर भी भीड़ देखी गई। एकादशी को लेकर शहर में जगह–जगह गन्ने की दुकानें सजी रहीं।शहर से लेकर गांव तक बाजार लोगो से भरे है।नगर के दीवानी कचहरी, ओलन्दगंज , समेत कई स्थानों पर लगी गन्ने की दुकानों पर दिन भर खरीदारों की भीड़ रही। बाजार में कंदमूल का रेट 40 रुपया किलो है। उधर गन्ना 30–40 और 50 रुपए का एक गन्ना बिक रहा है। वही एक किलो आंवला 40 और 60 रुपए में बिक रहा है।बात करे सिंघाड़ा 40 रुपया किलों त्योहार को लेकर फलों के दामों में भी तेजी रही। अधिकांश लोगों ने शुभ के तौर पर गन्ना, सिंघाड़ा व शकरकंद की खरीदारी की।

पंचकोसी परिक्रमा में शिविर लगाकर चिकित्सकों ने किया श्रद्धालुओ की सेवा

अयोध्या। कोतवाली नगर क्षेत्र के रानोपाली स्थित पूर्व डिप्टी एसपी बीएम तिवारी के आवास पर चिकित्सकों ने सेवा शिविर लगाया।शिविर में चिकित्सकों ने परिक्रमा कर रहे श्रद्धालुओं को दूध व नीबूं से निर्मित चाय, मेवे युक्त तहरी,पानी,बिस्कुट आदि वितरित किया। इस मौके पर पूर्व डिप्टी एसपी बीएम तिवारी, डॉक्टर अमित तिवारी,डॉ अजय तिवारी, डॉक्टर मनोज सैनी, डॉक्टर सुजीत मौर्या , डॉ पवन श्रीवास्तव, दुर्गेश सिंह, देवकीनंदन पांडे, रवि प्रकाश तिवारी, सचित, सन्मय जी भाई साहब के अलावा अन्य चिकित्सक मौजूद रहे।

शरीर से अस्वस्थ होते हुए भी पंच कोसी परिक्रमा करते दिखाई दिये युवा

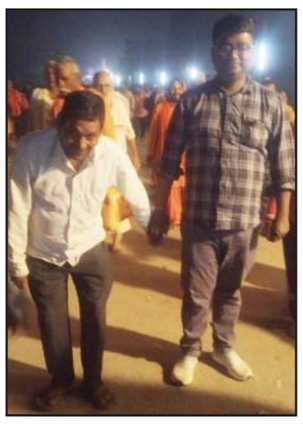

(डाक्टर अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। 14 कोसी परिक्रमा की तरह ही पंचकोसी परिक्रमा में जहां एक ओर लाखों की संख्या मे महिलाए,,बच्चे, बूढ़े, बुजुर्गों सहित अन्य श्रद्धालुओ ने बढ़ चढ़कर परिक्रमा करते हुए दिखाई दिए।वही इस मौके पर शरीर से कुछ अस्वस्थ युवा इनसे पीछे भी नहीं रहे।जिले के विकासखंड तारुन के थाना हैदरगंज क्षेत्र में चौबेपुर जाना बाजार निवासी 38 वर्षीय शरीर से अस्वस्थ होने के बावजूद भी पवन श्रीवास्तव पंचकोसी परिक्रमा करते हुए नजर आए।वे जिधर से गुजर रहे थे उधर से सभी लोग उनकी हौसले की तारीफ करते हुए नजर आ रहे थे।किसी ने सही कहा है कि अगर मन में कोई कुछ भी सोच ले तो वह अपने लक्ष्य को जरूर पा जाता है। उन्होंने बताया कि वें हर वर्ष पंचकोसी परिक्रमा करते है।

भजन केवल कान को सुख प्रदान करते हैं लेकिन कथा मनुष्य को तार देती है – प्रेमभूषण जी महाराज

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। भगवान की कथा गंगा जी के समान है और यह जहां भी उपस्थित होती है वह स्थान तीर्थ बन जाता है। मनुष्य जब तीर्थ में पहुंच जाता है तो वह अपने आप तीर्थ के प्रभाव से तर जाता है। कुछ लोग भजन सुनकर सुख का अनुभव करते हैं, परंतु भजन तो केवल कान को ही सुख देता है। जीव का कल्याण तो कथा ही करती है । भगवान की कथा मनुष्य को भगवान के शरण में पहुंचा देती है।

उक्त बातें जौनपुर के बीआरपी इंटर कॉलेज मैदान में निर्मित कथा मंडप में श्री राम कथा का गायन करते हुए दूसरे दिन सोमवार को पूज्य प्रेमभूषण जी महाराज ने व्यासपीठ से कथा वाचन करते हुए कहीं। सरस् श्रीराम कथा गायन के लिए लोक ख्याति प्राप्त प्रेममूर्ति पूज्य प्रेमभूषण जी महाराज ने सुप्रसिद्ध समाजसेवी ज्ञान प्रकाश सिंह के पावन संकल्प से आयोजित सप्त दिवसीय रामकथा के दूसरे दिन व्यासपीठ से रामकथा महिमा और भगवान के प्राकट्य की कथा का गायन करते हुए के कहा कि रामचरितमानस में भी इसका वर्णन है कि जब हनुमान जी ने माता सीता को भगवान की कथा सुनाई तो उनका सारा दुख भाग गया। हनुमान जी ने भगवान की कथा विभीषण को सुनाई तो उन्हें भगवान की शरणागति मिल गई। भगवान की कथा मनुष्य के हृदय के ताप को मिटाकर सभी संशय का नाश कर देती है। श्री राम कथा मनुष्य को सुखी जीवन के मार्ग और साधन प्रदान करती है। इस कलिकाल में राम कथा मनुष्य को पाप से बचाने के लिए कलमषी वृक्षों को काटने के लिए कुल्हाड़ी का कार्य करती है। राम कथा श्रवण करने वाला भटकने से बच जाता है और सत्कर्म में उसकी गति हो जाती है। पूज्य श्री ने कहा कि मनुष्य को अपने जीवन में कुछ भी प्राप्त करने के लिए तपस्या करना आवश्यक है। पीढियों के तप के कारण इक्ष्वाकु वंश में रामजी का आगमन हुआ था। भगवान राम ने 14 वर्ष का वन प्रवास स्वीकार कर हमें यह बताया कि बिना तपे (तपस्या)इस धरती पर कुछ भी प्राप्त नहीं होना है। मनुष्य अगर सत्संग और कथा में रहते हुए अपने सभी सांसारिक दायित्वों का निर्वाह करें तो उनकी मति और गति अपने आप सत्कर्मों में होने लगती है।

महाराज श्री ने कहा कि भारत की पुण्य भूमि पर ही भगवान का अवतार होता रहा है। कभी अंशा अवतार तो कभी विशिष्ट अवतार और तो कभी पूर्णावतार के रूप में भगवान इस धरती पर आकर इस धरती को धन्य करते रहे हैं। यह हमारा सौभाग्य है कि हमने इस धरती पर जन्म लिया है।दुनिया के किसी भी देश में भारत के तरह बच्चों को भी महत्व नहीं मिल पाता है यह हमारा सौभाग्य है कि हमारे भारतवर्ष के बच्चे ममता की छांव में पलते हैं।

पूज्यश्री ने कहा कि भगवान को तर्क से नहीं जाना जा सकता है। पूज्य महाराज श्री ने कहा कि निरंतर भजन में रहने वाले की कभी मृत्यु नहीं होती है। इसलिए सामान्य व्यक्ति के लिए यह आवश्यक है कि वह अपने जीवन के सभी क्रियाओं में संयुक्त रहते हुए भजन में भी प्रवृत्त हों। महाराज जी का सत्कर्म सोचने से नहीं होता है सत्कर्म के लिए सोचने वाले सोचते रह जाते हैं लेकिन करने वाला तुरंत उस कार्य को पूरा कर लेता है।

जीवन में सफल होने का एक महत्वपूर्ण सूत्र यह भी है कि अगर हमारा सोचा हुआ कोई कार्य हो जाए तो उसे हरि कृपा माने और अगर ना हो तो उसे हरि इच्छा मान लें।

पूज्यश्री ने कहा कि मनुष्य अपने अर्थ और संपत्ति का उत्तराधिकारी तो बना जाता है लेकिन अपने परमार्थ पथ का उत्तराधिकारी कोई–कोई बना पाता है।

प्रेमभूषण जी महाराज ने श्री राम कथा गायन के क्रम में श्री राम के मानव शरीर धारण करने के कारणों और प्राकट्य से जुड़े प्रसंगों की चर्चा करते हुए कहा कि अपने जीवन काल में ही हमें अपने परमार्थ पथ का उत्तराधिकारी तैयार करने की आवश्यकता है, तभी तो कई पीढ़ियों तक परमार्थ चलता रहता है।

महाराज श्री ने कहा कि राम जी की भक्ति प्राप्त करने के लिए हमें शिव जी की कृपा प्राप्त करनी पड़ती है।

पूज्य श्री ने कहा कि प्रकृति किसी को भी क्षमा नहीं करती है। सनातन धर्म और संस्कृति किसी एक व्यक्ति की बनाई हुई नहीं है। सबसे अधिक अत्याचार सनातन धर्म पर ही होते आए हैं फिर भी हमारे संस्कृति पूरे विश्व में अपना सर्वोच्च स्थान बनाये रखने में सक्षम है।

जीवन में सदा सुखी रहने का सूत्र बताते हुए पूज्य महाराज श्री ने कहा कि जीवन में सुख और शांति चाहते हैं तो हमें भगवान की शरणागति के साथ ही साथ प्रेम और शांति का अनुसरण करना चाहिए। किसी को भी शांत कराया नहीं जा सकता है। शांत केवल खुद के प्रयासों से ही रहा जा सकता है। जगत के व्यवहार में भी आप कुशलतापूर्वक रहे लेकिन ईश्वर में प्रेम निरंतर प्रगाढ़ होते रहना चाहिए। केवल प्रेम ही राम को प्रिय है। वह राम का स्वरूप भी है, कृष्ण जी का भी स्वरूप है और इसीलिए निर्मल प्रेम ही अलौकिक है। महाराज श्री ने कई सुमधुर भजनों से श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। बड़ी संख्या में उपस्थित रामकथा के प्रेमी, भजनों का आनन्द लेते हुए झूमते नजर आए। इस आयोजन के मुख्य यजमान ज्ञान प्रकाश सिंह जी ने सपरिवार व्यास पीठ का पूजन किया और भगवान की आरती उतारी।

एसपी ने आधा दर्जन थाना प्रभारियों के कार्य क्षेत्र में किया परिवर्तन

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । जनपद में लगातार बढ़ रहे क्राइम ग्राफ को देखते हुए अधीक्षक डॉ अजय पाल शर्मा ने सोमवार रात आधा दर्जन से ज्यादा थाना प्रभारियों के कार्य क्षेत्र में बड़ा फेरबदल किया है। बीते दिनों ताइक्वांडो खिलाड़ी की मिनिमम हत्या के मामले में सुर्खियों में रहे तत्कालीन गौराबादशाहपुर थाना प्रभारी रहे राजाराम द्विवेदी को व हमेशा विवादों में रहने वाले लाइन बाजार थाना प्रभारी रहे किशोर कुमार चौबे को भी पुलिस लाइन भेजा गया। तो वही सतीश सिंह को लाइनबाजार थाने की कमान अवनीश कुमार राय को केराकत थाने की कमान किशोर कुमार चौबे को लाइन बाजार से पुलिस लाइंस मनोज कुमार सिंह को सरपतहां थाने की कमान फूलचंद्र पांडेय को गौराबादशाहपुर थाने की कमान,राजाराम द्विवेदी को गौराबादशाहपुर से पुलिस लाइन उदय प्रताप सिंह प्रभारी जन सूचना सेल प्रदीप कुमार सिंह को थानाध्यक्ष बक्शा की कमान सौंपी गई है। कयास लगाया जा रहा है कि गौराबादशाहपुर थाना के थाना प्रभारी राजाराम द्विवेदी को विगत 30 अक्टूबर को हुये ताइक्वांडो खिलाड़ी अनुराग यादव हत्याकांड के मामले में पुलिस लाइन भेजा गया है। अक्सर मीडिया से बातचीत को लेकर अनुराग यादव के परिजनों ने पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठा रहे थे। विदित हो कि मानवाधिकार आयोग ने अनुराग यादव हत्याकांड को लेकर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ अजय पाल शर्मा से पूरे मामले की एक माह में रिपोर्ट तलब किया है।

पूरा कलंदर पुलिस द्वारा किए गए सराहनीय कार्यों की हो रही चँहु ओर चर्चा

(डाक्टर अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। जिले के पूराकलंदर पुलिस का सराहनीय कार्य एक बार फिर चर्चा में बना हुआ है।थाना पूराकलंदर क्षेत्र में स्थित भदरसा चौकी प्रभारी कमलेश साहनी और चौकी भदरसा पुलिस टीम की चारो तरफ प्रशंसा हो रही है।और हो भी क्यों न भरतकुंड पिपरी के बीच दुर्घटना में घायल हुए नितिन पांडेय के 290000 हजार प्राप्त कर पूरी रकम को नितिन पांडेय के परिजन को पुलिस ने सौपकर सराहनीय कार्य किया।ऐसे में पुलिस की ऐसी ईमानदारी चर्चा का विषय बनी हुई है जहाँ पूराकलंदर पुलिस की चारो तरफ प्रशंसा हो रही है। ऐसे में ऐसे पुलिस वालों को जिन्होंने आपदा में अवसर नही खोजा बल्कि ईमानदारी की मिशाल पेश किया।चौकी भदरसा के कमलेश शाहनी,दरोगा आलोक श्रीवास्तव,अमरेंद्र सिंह सिपाही विपिन, शोहेल सिंह राजकुमार यादव द्वारा किये गए सराहनीय कार्यों की प्रशंसा जनता द्वारा की जा रही है।

एमिटी इंटरनेशनल स्कूल, गोमती नगर, लखनऊ में राष्ट्रीय युवा रोबोटिक्स चौलेंज का आयोजन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। एमिटी इंटरनेशनल स्कूल, विराज खंड, गोमती नगर ने 12 नवंबर को राष्ट्रीय युवा रोबोटिक्स चौलेंज के क्षेत्रीय चरण का आयोजन किया। इस आयोजन में 100 से अधिक टीमों और करीब 300 छात्रों ने उत्साहपूर्ण भागीदारी की। चेयरपर्सन डॉ. (श्रीमती) अमिता चौहान जी के कुशल नेतृत्व में आयोजित इस प्रतियोगिता का उद्देश्य विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग, और गणित (एसटीईएम) के क्षेत्र में युवा प्रतिभाओं को प्रेरित करना था। विद्यालय प्रधानाचार्या श्रीमती रचना मिश्रा जी ने इस अवसर पर कहा, "यह प्रतियोगिता सिर्फ रोबोटिक्स तक सीमित नहीं हैय बल्कि यह वास्तविक जीवन की चुनौतियों का सामना करने के लिए युवाओं में कौशल और आत्मविश्वास का संचार करने का एक मंच है।" अमिटी समूह के चिल्ड्रेन साइंस फाउंडेशन के प्रमुख डॉ. ललित मित्तल ने भी इस प्रतियोगिता के माध्यम से छात्रों को 21वीं सदी के कौशल से लैस करने और उन्हें भविष्य के जिम्मेदार नागरिक के रूप में विकसित करने के दृष्टिकोण को साझा किया। पूरे आयोजन में अद्भुत ऊर्जा और उत्साह देखने को मिला, जब विभिन्न क्षेत्रों के छात्रों ने अपनी रचनात्मकता, तकनीकी कौशल और नवीनता का प्रदर्शन किया। इस क्षेत्रीय प्रतियोगिता में टीमों ने रोबो वॉर, रोबो सॉकर, रूट रेंजर्स, और इनोवेशन शोडाउन जैसी विभिन्न श्रेणियों में हिस्सा लिया, जिनमें से हर श्रेणी में रोबोटिक्स डिजाइन, प्रोग्रामिंग और समस्या समाधान के प्रति एक अलग दृष्टिकोण की जरूरत थी। प्रतिभागियों ने स्वायत्त नेविगेशन, कार्य निष्पादन की सटीकता और रोबोट डिजाइन में नवाचार जैसे कई जटिल मुद्दों का सफलतापूर्वक सामना किया। इन टीमों का मूल्यांकन तकनीकी दक्षता, टीमवर्क, रचनात्मकता, और दबाव में समस्या समाधान की क्षमता जैसे मानकों पर किया गया। सीएसआईआर के प्रमुख वैज्ञानिकों, नीति आयोग के विशेषज्ञों और विभिन्न क्षेत्रों के अनुभवी निर्णायकों के न्यायाधीश मण्डल ने टीमों के प्रदर्शन का मूल्यांकन किया। न्यायाधीश मण्डल में शामिल प्रतिष्ठित

सदस्यों के नाम निम्नलिखित हैं।

डॉ. मनोज सेमवाल, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रमुख (आईसीटी), कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी विभाग, सीएसआईआर सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिसिनल एंड एरोमैटिक प्लांट्स, लखनऊ

डॉ. निमिष कपूर, वैज्ञानिक, बीएसआईपी, डीएसटी, भारत सरकार, 53 यूनिवर्सिटी रोड, लखनऊ

डॉ. महेन्द्र अग्निहोत्री, प्रोफेसर, भौतिकी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय जैसे प्रतिष्ठित न्यायधीश रहे तथा अन्य अतिथियों रूप में उपस्थित

डॉ. जावेद आलम खान, सी. बी. एस.सी. सिटी कोऑर्डिनेटर, लखनऊ विंग कमांडर डॉ. अनिल कुमार तिवारी, डिप्टी प्रो वाइस चांसलर एवं डायरेक्ट, एसिट, एमिटी यूनिवर्सिटी लखनऊ

श्री रोहित मिश्रा, डायरेक्ट –प्रोजेक्ट, एमिटी यूनिवर्सिटी, लखनऊ

श्री अवनी कमल,प्रधानाचार्य सी. डी. एस. एन.

डॉ. प्रेरणा मित्रा, प्रधानाचार्या गोयनका लखनऊ एवं डी. टी. सी.

श्रीमती रोली त्रिपाठी, प्रधानाचार्या, एमिटी स्कूल, वृन्दावन योजना, लखनऊ

के ज्ञान के माध्यम से प्रतियोगिता का आयोजन और भी सफल बना।

इस अवसर पर माता–पिता, शिक्षकों और अन्य समर्थकों ने छात्रों की सराहना की और आयोजन दल दृ श्री रत्नेश प्रताप सिंह, श्री सूरज तिवारी, सुश्री कीर्ति पाठक, श्री शिवेंदु मिश्रा, श्री सत्यप्रकाश मिश्रा और श्री मंजीत सिंह के प्रयासों की प्रशंसा की। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसमें आयोजन समिति, सहायता टीमों, भाग लेने वाले विद्यालयों, छात्रों और शिक्षकों का उनके उत्कृष्ट टीमवर्क और समर्थन के लिए आभार प्रकट किया गया।

राष्ट्रीय युवा रोबोटिक्स चौलेंज ने इस क्षेत्र में एसटीईएम शिक्षा के प्रति जागरूकता और छात्रों में नवाचार के प्रति रुचि को प्रोत्साहित किया है। यह आयोजन युवा प्रतिभाओं के लिए अपने कौशल का प्रदर्शन करने और भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार होने का एक महत्वपूर्ण मंच साबित हुआ।

माध्यमिक शिक्षक संघ का शिविर कार्यालय पर धरना 13 नवंबर को

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना) माध्यमिक शिक्षक संघ (पांडेय गुट) पुरानी पेंशन और शिक्षकों की सेवा सुरक्षा शर्तों की बहाली को लेकर पार्क रोड स्थित माध्यमिक शिक्षा निदेशक के शिविर कार्यालय पार्क रोड पर 13 नवंबर, बुधवार को धरना देगा। नेहरू म्युनिसिपल कन्या इंटर कॉलेज में आयोजित शैक्षिक गोष्ठी में यह जानकारी देते हुए प्रदेश महामंत्री आशीष कुमार सिंह ने बताया कि प्रदेश भर के माध्यमिक शिक्षक एक दिन का अवकाश लेकर धरने में शामिल होंगे।माध्यमिक शिक्षक संघ के लखनऊ मण्डल अध्यक्ष विधान चंद्र द्विवेदी ने बताया कि माध्यमिक शिक्षकों की लंबित मांगों पर सरकार कोई ध्यान नहीं दे रही है।इसलिए संघर्ष किया जाना आवश्यक हो गया है। हमारी मांग है कि तदर्थ शिक्षक, व्यवसायिक शिक्षक एवं कंप्यूटर शिक्षक को विनियमित करते हुए पूर्ण शिक्षक का दर्जा दिया जाए। चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की नियुक्ति प्रधानाचार्य के माध्यम से की जाए। जिला उपाध्यक्ष राधा रमन पाठक ने 13 नवंबर को शिक्षा निदेशक के शिविर कार्यालय 18 पार्क रोड लखनऊ पर धरना देने हेतु सभी शिक्षकों से शामिल होने का आग्रह किया है। माध्यमिक शिक्षक संघ के नेता सत्यम दीक्षित ने अपील की कि पुरानी पेंशन की बहाली एवं माध्यमिक शिक्षकों , प्रधानाचार्यो की पदोन्नति तथा शिक्षकों की सेवा सुरक्षा सम्बन्धी व्यवस्था धारा 12, 18 एवं 21 को उ0प्र0 शिक्षा सेवा अधिनियम 2023 में पुर्नस्थापित कराए जाने हेतु सभी सम्मानित शिक्षक , प्रधानाचार्य एक दिन का अवकाश लेकर भारी संख्या में शिक्षा निदेशालय लखनऊ अवश्य चलें। इस अवसर पर प्रधानाचार्य नूरुल हुमा, वैशाली यादव, वर्तिका शुक्ला, वंदना दीक्षित, पुष्पांजलि श्रीवास्तव, ऊषा देवी, रुचि पांडेय एवं अम्बरीष कुमार सक्सेना आदि ने 13 नवंबर के धरना प्रदर्शन को सफल बनाने के लिए सामूहिक रूप से संकल्प लिया।

नाका हनुमानगढ़ी के महांत रामदास ने स्वास्थ्य शिविर का किया शुभारंभ

अयोध्या। कोतवाली अयोध्या क्षेत्र के रानोपाली में स्वास्थ्य सेवा शिविर का आयोजन किया गया।जिसका शुभारंभ नाका हनुमानगढ़ी के महांत रामदास ने दीप प्रज्वलित कर दिया।इस मौके पर उन्होंने कहा कि परोपकार से बड़ा कोई धर्म नहीं है। मनुष्य को अपने साथ–साथ दूसरों के लिए भी कार्य करना चाहिए। इस मौके पर पंचकोसी परिक्रमा कर रहे कई श्रद्धालुओं ने आकर स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किया। इस मौके पर डॉक्टर शैलेश पांडे,अजय कुमार तिवारी,डाक्टर अजय तिवारी, डॉक्टर प्रांजल द्विवेदी, डॉक्टर अमित तिवारी,प्रखर सिंह,अभिलाष शुक्ला,संतोष पाठक,मनोज यादव सहित कई समाजसेवी मौजूद रहे।

पछुआ हवा चलने के साथ ही प्रदेश में गिरेगा पारा

लखनऊ, संवाददाता। नवंबर माह का दूसरा हफ्ता बीतने को है। सुबह और शाम को छोड़कर दिन के बाकी हिस्से में ठंड का अहसास गायब है। मौसम वैज्ञानिकों ने इसकी मुख्य वजह प्रदेश में किसी भी पश्चिमी विक्षोभ का सक्रिय न होना और पहाड़ों पर बर्फबारी की नामौजूदगी बताया है। प्रदेश के अधिकांश पूर्वी और तराई इलाकों में अभी भी दिन में गर्मी महसूस की जा रही है। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह का कहना है कि आने वाले कुछ दिनों में पूर्वी और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में न्यूनतम तापमान में क्रमिक गिरावट देखने को मिलेगी और धीरे धीरे नवंबर की गुलाबी ठंड देखने को मिलेगी। हालांकि अधिकतम तापमान में हाल में कोई विशेष परिवर्तन नहीं होगा। सोमवार को यूपी के ज्यादातर इलाकों में सुबह के वक्त कोहरे की चादर लिपटी दिखी। वहीं तराई इलाकों सिद्धार्थनगर, बहराइच, महराजगंज, गोरखपुर आदि में सुबह कोहरे के साथ दोपहर में धुंध छाई रही। मौसम वैज्ञानिकों ने कोहरे और धुंध की वजह वातावरण में प्रभावी हवाओं की नामौजूदगी और वायुमंडलीय स्थिरता बताई है।

सर्दी का एहसास अभी नहीं।

आमतौर पर नवंबर माह में चलने वाली उत्तरी– पश्चिमी हवाओं के असर से ठंड की शुरुआत होती है। प्रदेश में फिलहाल कोई भी पश्चिमी विक्षोभ का सक्रिय नहीं है और न तो पहाड़ों पर बर्फबारी हुई है। इस बार नवंबर में अब तक जलवायुवीय तौर पर तापमान में गिरावट का कोई विशेष कारण न होने से ऐसी स्थिति बनी। रविवार को 34.5 डिग्री के अधिकतम तापमान के साथ झांसी सर्वाधिक गर्म रहा। प्रयागराज में अधिकतम 33.3 डिग्री और उरई में 33 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान रहा। न्यूनतम तापमान की बात करें तो चुर्क में 16.2 डिग्री, मेरठ और नजीबाबाद दोनों में 17 डिग्री और कानपुर व अयोध्या में 17.5 डिग्री तापमान दर्ज किया गया।

महाकुंभ से पहले गंगाजल को आचमन लायक बनाएगी सरकार

लखनऊ, संवाददाता। प्रदेश सरकार महाकुंभ से पहले गंगा जल को आचमन लायक बनाएगी। गंदे नालों को गंगा में गिरने से रोकने के लिए तत्काल कड़े कदम उठाए जाएंगे। इसके लिए तैयार किए गए एक्शन प्लान पर यूपी के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह मंगलवार को केंद्र व प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारियों के साथ प्रयागराज में बैठक करेंगे। सीवेज की गंदगी से गंगा जल दूषित होने पर नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने असंतोष जताया है। साथ ही यूपी के मुख्य सचिव से हालात से निपटने और जल को दूषित होने से रोकने के फौरी उपायों के साथ हलफनामा देने को भी कहा है। एनजीटी के आदेश के बाद प्रदेश सरकार ने अपर मुख्य सचिव, वन एवं पर्यावरण मनोज सिंह को हटाकर प्रतीक्षारत कर दिया। उच्च पदस्थ सूत्रों के मुताबिक, प्रदूषण कम करने के लिए गंगा में ऊपर से अधिक पानी छोड़ा जाएगा। जो नाले बिना एसटीपी (सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट) के सीधे गंगा में मिल रहे हैं, उन्हें रोकने के लिए तत्काल अस्थायी व्यवस्था की जाएगी। जहां एसटीपी लगे हैं, उन्हें लगातार चालू रखने के लिए कदम उठाए जाएंगे। लापरवाही मिलने पर संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों पर कड़ी कार्रवाई करने का निर्णय भी लिया गया है। बैठक में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अध्यक्ष तन्मय कुमार, उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अध्यक्ष आरपी सिंह, केंद्र और राज्य में नमामि गंगे के सचिव भी शामिल होंगे। यहां बता दें कि केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) की 22 अक्तूबर की रिपोर्ट में बताए गए यूपी के 326 नालों में से 247 नालों के पानी का शोधन नहीं किया गया है। इस पर एनजीटी ने विभिन्न जिलों में हर नाले और उनसे पैदा होने वाले सीवेज व प्रस्तावित सीवेज उपचार संयंत्रों के बारे में जानकारी मांगी है।

बाहरी डाक्टर से इलाज कराया तो अस्पताल पर लगेगा ताला

लखनऊ, संवाददाता। निजी अस्पतालों की लापरवाही से मरीजों की मौत के मामले अकसर सामने आते हैं। ऐसे में अब स्वास्थ्य विभाग निजी अस्पतालों को लेकर सख्त हो गया है। सीएमओ ने सोमवार को इन अस्पतालों के लिए एक बार फिर निर्देश जारी किए। इनका सख्ती से अनुपालन कराने के लिए कहा गया है। नियमों के उल्लंघन पर अस्पताल पर ताला लगाने की संस्तुति होगी। राजधानी में करीब एक हजार निजी अस्पताल हैं, जो सीएमओ कार्यालय से पंजीकृत हैं। सीएमओ ने निर्देश दिए हैं कि जो अस्पताल जिस विधा में पंजीकृत हैं, वहां उसी बीमारी का इलाज होगा। असाध्य बीमारी का इलाज बिना विशेषज्ञ के किया तो कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा अस्पताल के पैनल में शामिल डॉक्टर ही मरीजों का इलाज करेंगे। बाहरी डॉक्टर से इलाज कराया तो अस्पताल के खिलाफ कार्रवाई होगी।

साथ ही मरीज की फाइल पर डॉक्टर का नाम समेत सभी जानकारियां स्पष्ट लिखी होनी चाहिए। वहीं, जो डॉक्टर निजी अस्पताल छोड़कर जा चुके हैं, उनकी सूचना सीएमओ ऑफिस को देनी होगी, ताकि पैनल से उन्हें हटाया जा सके। नर्सिंग होम के नोडल अफसर डॉ. एपी सिंह ने बताया कि सभी सीएचसी–पीएचसी प्रभारियों को उनके क्षेत्र में आने वाले निजी अस्पतालों की निगरानी के निर्देश दिए गए हैं। नियमों की अनदेखी पर अस्पताल संचालन पर रोक लगाई जाएगी।

प्राइवेट प्रैक्टिस के आरोप में डाक्टर निलंबित

लखनऊ, संवाददाता। केजीएमयू से लखीमपुर की महिला को निजी अस्पताल ले जाने के आरोपी जूनियर डॉक्टर रमेश कुमार को प्राइवेट प्रैक्टिस के आरोप में निलंबित कर दिया गया है। जांच पूरी होने के बाद आगे की कार्रवाई तय होगी। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के निर्देश पर गठित जांच समिति ने देर शाम बैठक कर यह फैसला किया। इससे पहले विभागाध्यक्ष की ओर से डॉक्टर को नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया था।

बांड पूरा होने के बाद रखा गया था विभाग में

रेजिडेंट डॉ. रमेश कुमार का बॉन्ड करीब तीन महीने पहले ही खत्म हो चुका था। इसके बावजूद सीनियर डॉक्टर की शह पर उसे दोबारा तैनाती देकर तीन महीने के लिए रख लिया गया था। जांच में दोषी साबित होने पर उसकी बर्खास्तगी की जा सकती है। मामले में लापरवाही के आरोप में भी केस दर्ज किया जा सकता है। इसके

लिए सीएमओ कार्यालय की ओर से पड़ताल शुरू कर दी गई है। ऐसा जुगाड़... बिना पैरवी मिल रहा वेंटिलेटर मामले में जूनियर डॉक्टर के अलावा कई लोगों के शामिल होने की आशंका है। इसका कारण है कि केजीएमयू में बिना जुगाड़, सिफारिश के मरीज को वेंटिलेटर मिलना आसान नहीं होता है। इसके बावजूद निजी अस्तपाल से लाई महिला को सीधे वेंटिलेटर मिल गया।

मृतक पूनम मौर्या के परिवारीजनों ने बताया कि हालत खराब होने पर अस्पताल में मौजूद डॉक्टरों ने ही उन्हें केजीएमयू में भर्ती कराया था। इसके लिए न तो उन्हें ट्रॉमा सेंटर और न किसी दूसरे विभाग जाना पड़ा। शताब्दी फेज–2 भवन में मौजूद वेंटिलेटर यूनिट में पूनम को भर्ती करा दिया गया। 26 अक्तूबर से नौ नवंबर के बीच दवाओं पर करीब एक लाख रुपये का खर्च आया। हालांकि, वेंटिलेटर चार्ज के नाम पर कोई पैसा नहीं जमा कराया गया। संभव है कि अनहोनी की आशंका और मामला खुलने के डर से निजी अस्पताल प्रशासन ने शुल्क चुकाया गया हो। हालांकि, यह जांच के बाद ही साबित हो सकेगा।

उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने संस्थान से सात दिन में मांगी रिपोर्ट केजीएमयू की ओपीडी से मरीज को निजी अस्पताल ले जाने के मामले में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने जांच का आदेश दिया है। केजीएमयू प्रशासन से सात दिन में रिपोर्ट देने के लिए कहा है। उधर, स्वास्थ्य विभाग की टीम निजी अस्पताल पहुंची तो पता चला कि घटना के बाद से ही संचालक अस्पताल बंद करके गायब है।

जांच में फर्जी दस्तावेज बनाने का हुआ खुलासा

लखनऊ, संवाददाता। यूपी में फर्जी और कूट रचित दस्तावेज के जरिए 35 बीघा जमीन हड़पने का खुलासा हुआ है। जांच में मामला पकड़ में आने के बाद चकबंदी आयुक्त ने चार नवंबर को फर्जीवाड़े करने वालों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराने और विधिक कार्रवाई करने का आदेश दिया है। मामला जौनपुर जिले का है। अब इस जिले में चकबंदी के अधिकारियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई जाएगी। करीब 35 बीघे जमीन पर खेती करते हैं। आरोप है कि भरेठी गांव निवासी अंसार अहमद ने इस जमीन को लेकर चकबंदी विभाग के मुकदमे का फर्जी आदेश तैयार कराया।

जांच में दस्तावेज कूट रचित व

करने वालों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराने और विधिक कार्रवाई करने का आदेश दिया है। मामला जौनपुर जिले का है। अब इस जिले में चकबंदी के अधिकारी के तैयार किए गए अन्य दस्तावेजों की भी जांच कराई जाएगी। जौनपुर के खेतासराय थाना क्षेत्र के मानीकला गांव में अनवारुद्दीन खान और उनके परिवार के लोग फर्जी मिले

अब वह जमीन कब्जा करने पहुंचा तो काबिज लोगों के पता चला। अनवारुद्दीन ने हाईकोर्ट में गुहार लगाई। हाईकोर्ट ने पुराने दस्तावेजों को देखते हुए 5 जुलाई 2024 को कब्जा संबंधी आदेश पर स्टे लगा दिया। उच्च न्यायालय के आदेश पर बंदोबस्त अधिकारी चकबंदी ने तीन सदस्य कमेटी बनाई। जांच में पता चला कि अंसार अहमद द्वारा प्रस्तुत किए गए सभी दस्तावेज कूट रचित व फर्जी हैं।

चकबंदी लेखपाल की संलिप्तता

ऐसे में बंदोबस्त चकबंदी अधिकारी जौनपुर ने अंसार अहमद को दोबारा अपना पक्ष रखने का मौका दिया।

अंसार की ओर से फिर वही दस्तावेज पेश किए गए, जिस पर बंदोबस्त चकबंदी अधिकारी ने सभी दलीलें खारिज कर दी। चकसंख्या 116 पर अंकित 21 दिसंबर 1993 के आदेश में की गई अमल दरामद में तत्कालीन चकबंदी लेखपाल की संलिप्तता बताई गई।

नए सिरे से बारीकी से होगी जांच

ऐसे में चार नवंबर को चकबंदी आयुक्त भानु चंद्र गोस्वामी ने जिला प्रशासन को निर्देश दिया कि मामले में संलिप्त लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई जाए। साथ ही चकबंदी के दौरान के अन्य लंबित प्रकरणों की नए सिरे से बारीकी से जांच कराई जाए।

ट्रेन के आगे कूदा पूर्व सिफसा कर्मी अधिकारी करते थे प्रताड़ित

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ के अलीगंज निवासी पूर्व स्टेनो राजेंद्र कुमार जोशी ने राज्य परिवार नियोजन सेवा नवाचार परियोजना एजेंसी (सिफसा) के अधिकारियों की प्रताड़ना से परेशान होकर 11 मई को वीआरएस ले लिया था। जबकि उनका रिटायरमेंट इसी माह था। बार–बार कंपनी की ओर से नोटिस आने पर वह डिप्रेशन में चले गए थे। ये आरोप राजेंद्र के छोटे भाई बृजमोहन जोशी ने सिफसा के अधिकारियों पर लगाए हैं। वहीं, रविवार को परिजनों ने देर शाम राजेंद्र के शव का अंतिम संस्कार गुलाला घाट पर कर दिया। दिल्ली निवासी ब्रजमोहन जोशी केंद्र सरकार में असिस्टेंट इंजीनियर हैं। उन्होंने बताया कि बड़े भाई सिफ्सा में स्टेनो थे। नौकरी के दौरान कंपनी के अधिकारियों से कुछ विवाद हो गया था। इसके बाद से उन्होंने, भाई को मानसिक रूप से प्रताड़ित करना शुरू कर दिया था। इस कारण उन्होंने वीआरएस ले लिया था। बृजमोहन ने बताया कि भाई की नौकरी के दौरान करीब तीन वर्ष पहले कंपनी का कार्यालय हुसैनगंज से चारबाग स्थित एपीसेन रोड पर शिफ्ट हो गया था। शिफ्टिंग के कारण भाई राजेंद्र की रिसीव की गईं 50 में से 30 फाइलें कहीं गायब हो गई थी।

फिर भी उन्हें ही किया जा रहा था प्रताड़ित

आरोप है कि वीआरएस लेने के बाद भी कंपनी के अधिकारी भाई पर खोई 30 फाइलों को तलाशने का दबाव डालने लगे। इतना ही नहीं उन्हें सात दिन दफ्तर भी बुलाया गया। जबकि खोई हुई फाइलों की रिसीविंग उनके भाई के साथ एक सहकर्मी ने भी की थी। फिर भी प्रताड़ित सिर्फ उन्हें ही किया जा रहा था। बताया कि भाई के खिलाफ कमेटी बैठा दी गई। उनके प्रोविडेंट फंड (पीएफ) और ग्रेच्युटी के 80 लाख भी कंपनी ने रोक दिया था। इससे वे डिप्रेशन में चले गए। उनका इलाज केजीएमयू के पूर्व डॉक्टर से चल रहा था। वे खुद भी कई बार भाई के कार्यालय गए थे और पीएफ की रकम देने की बात कही थी। मगर आश्वासन के सिवा कुछ नहीं हुआ।

दो माह में दो बार भेजा नोटिस

सिफ्सा के अधिकारियों ने राजेंद्र को पहला नोटिस छह अक्तूबर को भेजा था। दूसरा नोटिस शनिवार सुबह भेजा गया। नोटिस देखते ही राजेंद्र परेशान हो गए। वे पत्नी निकिता को मंदिर जाने की बात कहकर सैरपुर के छतामील पहुंचे। ट्रेन के आगे कूद कर जान दे दी। छोटे भाई ने बताया कि वह कंपनी के अधिकारियों के खिलाफ थाने में तहरीर देंगे। राजेंद्र के परिवार में पत्नी, बेटी प्राची है, जो अल्मोड़ा में एमबीबीएस कर रही है। बड़े भाई राजेश कनाडा में रहते हैं, जो चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं।

संक्षिप्त खबरें

बिना लाइसेंस चल रहा मेडिकल स्टोर सील

लखनऊ, संवाददाता। नगराम सीएचसी के सामने स्थित मेडिकल स्टोर पर खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की टीम ने सोमवार को छापा मारा। जांच में पता चला कि मेडिकल स्टोर संचालक के पास लाइसेंस नहीं है। इस पर 50 हजार रुपये की दवाएं जब्त कर स्टोर सील कर दिया गया। जांच के लिए पांच दवाइयों के नमूने भी लिए गए हैं। औषधि निरीक्षक संदेश मौर्य ने बताया कि आईजीआरएस पर मिली शिकायत पर संज्ञान लेकर लेकया मेडिकल स्टोर पर छापा मारा गया। मौके पर मिले मेडिकल स्टोर के मालिक शाहमोहम्मदपुर गांव के प्रेम शंकर लाइसेंस नहीं दिखा सके। इस पर टीम ने तुरंत मेडिकल स्टोर सील कर दिया। मामले में औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम के तहत वाद भी दायर किया जाएगा।

ठकठक गिरोह ने कार से आई फोन किया पार

लखनऊ, संवाददाता। ठकठक गिरोह ने पॉलीटेक्निक चौराहे पर युवक की कार से आईफोन पार कर दिया। पीड़ित ने गाजीपुर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस सीसीटीवी कैमरे खंगालने में जुटी है। इंदिरानगर के सर्वोदय नगर स्थित अमरावती अपार्टमेंट निवासी अजीत श्रीवास्तव शनिवार दोपहर कार से विभूतिखंड अपने कार्यालय जा रहे थे। पॉलिटेक्निक चौराहे पर रेड सिग्नल हो गया। इस बीच एक युवक ड्राइविंग सीट की ओर आया और शीशा खटखटाने लगा। उन्होंने शीशा खोला तो युवक ने पैर पर गाड़ी चढ़ाने की बात कही और हंगामा करने लगा। अजीत बात कर ही रहे थे कि तभी दूसरी ओर से दो युवक आ गए और विवाद करने लगे। समझाने पर तीनों चले गए। कुछ देर बाद उन्होंने जब बगल वाली सीट पर देखा तो उनका आईफोन गायब था।

सड़क हादसों में दो युवकों की जान गई

लखनऊ, संवाददाता। दो सड़क हादसों में डिलीवरी बॉय और केयरटेकर की मौत हो गई। ये दुर्घटनाएं बंथरा–बिजनौर मार्ग और इटौंजा रेलवे स्टेशन के पास हुई। बंथरा के खटोला निवासी दीपक चौरसिया (30) पार्सल डिलीवरी बॉय का काम करते थे। सोमवार दोपहर वह कुछ काम से बाइक लेकर जा रहे थे। बंथरा–बिजनौर मार्ग पर गुलाब खेड़ा के पास तेज रफ्तार अज्ञात वाहन की टक्कर से उनकी मौत हो गई। परिवार में पिता जयप्रकाश, मां मीना और चार बहनें हैं। पिता केंद्रिय विद्यालय ममौरा में गार्ड हैं। उधर, सीतापुर के खैराबाद निवासी हरिनाम (45) इटौंजा कस्बे में पत्नी बबीता और तीन बच्चों के साथ रहते थे। वह बीकेटी स्थित मैरिज लॉन में केयरटेकर का काम करते थे। घरवालों ने बताया कि रविवार देर शाम वह साइकिल से ड्यूटी के बाद लौट रहे थे। इटौंजा रेलवे स्टेशन के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से उनकी मौत हो गई।

चोरी के जेवर में मिलावट कर बेचता था, आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ, संवाददाता। सोने के मिलावटी जेवर लोगों को 22 कैरेट के बताकर बेचने के आरोपी को ठाकुरगंज पुलिस ने रविवार रात चोरघाटी से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी चोरी के आभूषण खरीदकर उसमें मिलावट करता था। इंस्पेक्टर श्रीकांत राय के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी सआदतगंज के हाता भीखम खां निवासी शमशाद अहमद है। इसके पास से 12 लाख के मिलावटी जेवर और 21 हजार रुपये बरामद हुए हैं। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह चोरों से जेवर खरीदता था। फिर उन्हें गलाता था और 60 प्रतिशत अन्य धातुओं को मिलाकर नए आभूषण बना देता था। पकड़ में न आए इसलिए रायबरेली में जाकर बेचता था। इंस्पेक्टर ने बताया कि डेढ़ माह पहले चोरों के गिरोह को पकड़ा था। इसके पास से जेवर बरामद हुए थे, जबकि लोगों के घरों से चोरी जेवर पुराने थे। संदेह होने पर पुलिस ने जब गिरोह के एक गुर्गे से कड़ाई से पूछताछ की तो शमशाद का नाम सामने आया था। आरोपी ने बताया था कि शमशाद उनसे चोरी के जेवर खरीदकर मिलावट करता है।

69000 शिक्षक भर्ती, सुप्रीम कोर्ट में होगी सुनवाई

लखनऊ, संवाददाता। 69000 शिक्षक भर्ती में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई मंगलवार 12 नवंबर को होगी। यह सुनवाई 15 नवंबर को प्रस्तावित थी। सुनवाई पहले होने के कारण आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों ने सोमवार को बैठक कर आगे की रणनीति बनाई। साथ ही उम्मीद जताई कि उन्हें जल्द ही न्याय मिलेगा। सुप्रीम कोर्ट में यह मामला अक्तूबर से चल रहा है। सीजेआई की अध्यक्षता वाली पीठ के सामने इस मामले की एक सुनवाई हुई है। इसके बाद से इस पर डेट लग रही है। दिवाली से पहले इस मामले में अगली तिथि 15 नवंबर को प्रस्तावित हुई थी। किंतु अब यह 12 नवंबर को ही लग गई है। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता व प्रशांत कुमार मिश्रा की बेंच इस मामले की सुनवाई करेगी। पिछड़ा दलित संयुक्त मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सुशील कश्यप व प्रदेश संरक्षक भास्कर सिंह ने बैठक में कहा कि वह 2020 से इसमें आरक्षण प्रभावित अभ्यर्थियों को न्याय नहीं मिला है। इस मामले को कोर्ट–कचहरी के चक्कर में सरकार फंसाए हुए है। वह चाहे तो इसका निस्तारण एक दिन में हो सकता है।

प्रधानमंत्री ने इस साल एक करोड़ किसानों को गोबर आधारित प्राकृतिक खेती करने के लिए बजट दिया है – श्याम बिहारी

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। अध्यक्ष उत्तर प्रदेश गोसेवा आयोग श्याम बिहारी गुप्ता की अध्यक्षता में गो आधारित प्राकृतिक कृषि पर संवाद कार्यक्रम का आयोजन पिंजरापोल पशु अनाथालय (गौशाला) में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अध्यक्ष द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस दौरान उन्होंने गौ आधारित प्राकृतिक कृषि करने वाले कुल 08 किसानों को माला पहनाकर सम्मानित किया। इसके साथ ही देशी गाय पालने वालों को सम्मानित किया गया। अध्यक्ष जी ने कहा कि रासायनिक ऊर्वरकों के इस्तेमाल से मिट्टी खराब हो रही है बिमारियों को बढ़ावा मिल रहा है। हम अपनी आने वाली पीढ़ी को शुद्ध हवा और भोजन दे तब विकास का मॉडल लागू होगा। उन्होंने कहा कि गौ आधारित कृषि पर ध्यान देने की आवश्यकता है। प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री आने वाली पीढ़ियों के बारे में भी चिन्तन कर रहे है। सभी लोगों से अपील किया कि गौ आधारित कृषि करना शुरू करें। गोबर गैस प्लांट लगाकर अन्नदाता किसान ऊर्जा दाता बने इसके संबंध में विस्तार से जानकारी दी। इससे पहले

पत्रकारों से वार्ता करते हुए कहा कि पूरे प्रदेश में इस समय लगभग साढ़े आठ सौ, गो आश्रय स्थल, गोशाला चल रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने सबको निर्देश दिया है कि गो आश्रय स्थलो में प्राकृतिक खेती आधारित गौशाला प्रशिक्षण केन्द्र बनाया जाए और प्रशिक्षण केन्द्र में जो भी प्रशिक्षण लेने आएंगे उन्हें एक गाय दी जाएगी और उन्हें 15, सौ रुपये प्रतिमाह दिया जाएगा। उन लोगों को प्राकृतिक खेती की सिखायी जाएगी और बायो गैस स्थापित किए जाने एवं उनके बारे में भी बताया जाएगा। प्रधानमंत्री ने गो आधारित प्राकृतिक खेती करने का प्रावधान किया है। जिसके तहत किसानों को प्राकृतिक खेती के बारे में किसानो को जानकारी दी जाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 2017 में प्रदेश का कार्यभार ग्रहण उसके पहले गोवंश की तस्करी होती थी गोवंश कत्ल खाने जाते थे जिस दिन योगी जी ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली उसे दिन सबसे पहले उन्होंने किसानों के 36000 हजार करोड़ रुपये किसानों का कर्ज माफ किया और दूसरा कत्लखानों को बंद करने का आदेश

जारी किया। पूरे प्रदेश में साढ़े आठ हजार गौशालाएं चल रही हैं। जिसमें 585 गौशालाएं विभिन्न सामाजिक संस्थाओं द्वारा संचालित की जा रही है बाकी अन्य सरकार द्वारा संचालित हैं। किसानों और महिलाओं को गो आधारित खेती सिखाई जाए जिससे वह गोपालन करते हुए अपने प्राकृतिक खेती करते हुए बच्चों को बिना रासायनिक पदार्थ का भोजन दें। साथ ही उन्होंने पांच तत्व बताएं जिसे मिलकर जैविक खाद बना कर खेतों में डालने से 5 महीने में फिर खेतों में भारी मात्रा में केंचुए उत्पन्न हो जाएगा जो की रासायनिक उर्वरकों के कारण केंचुआ मर चुके हैं पुनः खेत में केंचुए आने से अच्छी कृषि पैदावार होगी। बीते 50 सालों में रासायनिक उर्वरकों के प्रयोग से खेतों की मृदा मर गई है। प्रधानमंत्री जी ने इस साल एक करोड़ किसानों को गोबर आधारित प्राकृतिक खेती करने के लिए बजट दिया है। जिससे किसानों का उत्पादन दोगुना बढ़ेगा और पूरे देश और दुनिया में दुगनी दाम पर बिकेगा। स्वयं सहायता समूह में काम करने वाली लगभग एक करोड़ महिलाएं हैं। पूरे प्रदेश में लगभग दो करोड़ 5 लाख 60 लाख गोवंश है और किसानों की संख्या 2 करोड़ एक सौ 63 लाख है ऐसे में हमारा पहला नारा है एक किसान एक गाय है जिससे प्रत्येक किसान की खूंटी पर एक गाय हो और वह जैविक खेती गाय की गोबर से करें। और दूसरा नारा परिवार जनों की थाली में जहर मुक्त भोजन हो प्रदेश में रहने वाले 25 करोड़ लोगों को स्वस्थ भोजन देंगे स्वस्थ पर्यावरण देंगे आज सबसे बड़ी चुनौती किसानों की सुरक्षा के लिए थी हमारे सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धि हर किसान अपने खेतों पर रह सकता है। इससे किसानों की खेती दोगुनी होगी अब योगी जी के नेतृत्व में है एक नए उत्तर प्रदेश का निर्माण होगा जो गोवंश गांव छोड़कर शहर में आ रहे थे प्रदूषण युक्त भोजन ले रहे थे प्रदूषण फैला रहे थे अब गांव में ही रहेंगे। एक नया नारा होगा स्मार्ट फार्मर स्मार्ट फार्मिंग और जो हमारी मातृशक्ति हैं वह अपने बच्चों को जहर मुक्त भोजन देने का काम करेंगी पूर्व प्रदेश में जो दो करोड़ गोवंश हैं यह हमारे लिए समस्या नहीं बल्कि समृद्धि का प्रतीक होगा।

हमे जल्दी ही 5 « प्रोग्राम चलना है जिसके तहत जो हमारे साढ़े आठ हजार गौशालाएं हैं वहां से पहले काम इकोनामी जनरेट करना दूसरा काम एनवायरनमेंट सही करना तीसरा कम एंप्लॉयमेंट चौथा काम एजुकेशन और पांचवा काम एनर्जी है। जल्दी ही ग्राम प्रधान और सेक्रेटरी से गौशालाओं को हटाकर सामाजिक संस्थाओं संतों महात्माओं और स्वयं सेवी संस्थाओं को दिया जाएगा। शहर से लेकर गांव में ब्लॉक स्तर पर कमेटी बनाई जाएगी। जिससे कि आने वाले समय मे हमारे उत्तर प्रदेश के अर्थव्यवस्था का जो आधार बनेगा वह गाय गांव किसान खेती बनेगा प्रधानमंत्री मोदी जी और योगी जी का जो सपना सबका साथ सबका विकास है उसे पूरा करने में गोवंश सेवा आयोग अपनी पूरी ताकत लगाएगा।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002

RNI NO - UPHIN/2022/86937

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।